RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 36 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 19 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

मत्स्य पालन के लिए छत्तीसगढ़ को मिला बेस्ट इनलैण्ड स्टेट का पुरस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़ को मिलेगा एक और राष्ट्रीय पुरस्कार। देश में मत्स्यपालन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को बेस्ट इनलैण्ड स्टेट पुरस्कार के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार केन्द्र शासित प्रदेश दमन में 21 नवम्बर को दिया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने मत्स्यपालन विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। मत्स्य पालन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यह पुरस्कार विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड द्वारा दिया जाता है। केन्द्र शासित प्रदेश दमन में आयोजित समारोह में केंद्रीय मत्सपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला एवं राज्य मंत्री संजीव कुमार बाल्यान सहित अन्य अतिथिगण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बालोद में रेलवे जीएम की स्पेशल ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

बालोद। बालोद में रेलवे जीएम की स्पेशल ट्रेन से कटकर एक 62 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना शुक्रवार शाम पारास रेलवे फाटक के पास की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम घुघसीडीह दुर्ग निवासी हीरालाल पटरी पर आकर सो गया और ट्रेन ऊपर से गुजरने पर कटने से उसकी मौत हो गई। बुजुर्ग की क्षत विक्षत लाश देखकर घटनास्थल पर भीड़ लग गई। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। शनिवार को पीएम करने के बाद शव को परिजनों को सौंपा जाएगा।

रेलवे पुलिस ने बताया कि मृतक 12 बजे की ट्रेन से मरोदा से टिकट लेकर बालोद आया था। वहीं रेलवे के जीएम रायपुर से भानुप्रतापपुर तक निरीक्षण में गए थे। स्पेशल ट्रेन से निरीक्षण कर रायपुर जाते समय बालोद के पास उसी ट्रेन के सामने लेटकर वृद्ध ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी है। शनिवार सुबह उनके परिजन बालोद आएंगे। शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। आत्महत्या की वजह का फिलहाल पता नहीं चला है।

बड़ी लापरवाही: गले की जांच के दौरान टूटा कांच का इंस्ट्रूमेंट, आफत में पड़ी जान

- सेक्टर-9 हॉस्पिटल में गले के इलाज के लिए पहुंचा था युवक
- जांच के दौरान सामने आई डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के सेक्टर-9 अस्पताल में लापरवाही का बड़ा नमूना सामने आया। यहां एक युवक गले की जांच कराने पहुंचा तो जांच के दौरान कांच का इंस्ट्रूमेंट टूट गया। कांच करीब 5 एमएम का टूकड़ा युवक ने निगल लिया जिससे उसकी जान आफत में पड़ गई। इसके बाद डॉक्टरों में हड़कंप मच गया।

हांलाकि बाद में डॉक्टरों ने सक्रियता दिखाई और युवक की एंडोस्कोपी की

गई और कांच का टुकड़ा बाहर निकाला गया। इस दौरान करीब एक घंटे तक कांच का टुकड़ा मरीज के पेट में ही रहा। वहीं एंडस्कोपी के बाद युवक की हालत ठीक बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रगति नगर निवासी तुषार को गले में इंफेक्शन होने के कारण इसका इलाज सेक्टर-9 अस्पताल में चल रहा है। शुक्रवार को वह जांच कराने हॉस्पिटल पहुंचा था। ईएनटी के डाक्टर अश्विन और डाक्टर गिरीश मरीज की जांच कर रहे थे। जांच के लिए डॉक्टरों ने एक कांच का इंस्ट्रूमेंट तुषार के गले में डाला। इस दौरान वह टूट गया और करीब 5 एमएम कांच का टुकड़ा उसके पेट में चला गया।

बेचैन हुआ मरीज, डॉक्टर भी हुए परेशान

जैसे ही मरीज को पता चला कि कांच का टुकड़ा वह निगल गया है तो वह बेचैन हो गया और डॉक्टरों के भी होश उड़ गए। आनन फानन में डॉक्टरों ने पेट की स्कैनिंग की और कांच के टुकड़े की स्थित देखी। इसके बाद डॉक्टरों ने एंडस्कोपी का निर्णय लिया। करीब एक घंटे की मेहनत के बाद मरीज के पेट से कांच का टुकड़ा निकाला गया। इसके बाद मरीज के जान में जान आई। इस घटना के बाद मरीज के परिजन भी हैरान रह गए। वहीं अस्पताल में जिस कांच के इंस्ट्रूमेंट का इस्तेमाल किया गया उसकी क्वालिटी में सवालों के घेरे में है। फिलहाल मरीज की जान बचने से डॉक्टरों के साथ ही परिजनों ने भी राहत की सांस ली है।

सीजी पुलिस में बड़ा फेरबदल: आनंद छाबड़ा बने दुर्ग आईजी, मीणा भेजे गए बिलासपुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सीएम भूपेश बघेल ने प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। 9 नवंबर को पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक के बाद अब सरकार ने राजधानी में दो आईजी रखने का फैसला किया है। गृह विभाग के अवर सचिव मनोज कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार देर रात यह आदेश जारी किया।

सरकार द्वारा 7 वरिष्ठ अफसरों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। जारी आदेश के बाद दुर्ग आईजी बद्रीनारायण मीणा को बिलासपुर का आईजी बनाया गया है। वहीं दुर्ग रेंज के आईजी के रूप में डॉ. आनंद छाबड़ा को पदस्थ किया गया है। आनंद छावड़ा अब तक इंटेलिजेंस की कमान संभाल रहे थे। सरकार ने बिलासपुर आईजी रतनलाल डांगी को वहां से हटाकर राज्य पुलिस अकादमी का निदेशक बना दिया है। रामगोपाल गर्ग अब सरगुजा रेंज के नए आईजी होंगे। अभी तक वे राजनांदगांव में डीआईजी थे।

सरगुजा रेंज के आईजी रहे अजय यादव को

रायपुर लाकर पुलिस गुप्तवार्ता-इंटेलिजेंस का महानिरीक्षक बना दिया गया है। उनके पास रायपुर जिले के आईजी की अतिरिक्त जिम्मेदारी रहेगी। इसी तरह रायपुर रेंज के शेष चार जिलों के लिए शेख आरिफहुसैन को आईजी का प्रभार मिला है। आरिफ हुसैन अभी तक एसीबी-ईओडब्ल्यू के आईजी थे। इसी प्रकार नेताजी सुभाषचंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी के महानिदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे डीएम अवस्थी को एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध अनुसंधान ब्यूरो का मुखिया बनाया गया है।

तिहाड़ में मसाज कराते दिखे आप के मंत्री सतेन्द्र जैन

वीडियो वायरल होने के बाद मचा बवाल, भाजपा ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड जेल की हवा खा रहे आम आदमी पार्टी के मंत्री सतेन्द्र जैन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में वे मसाज कराते दिख रहे हैं। बेड पर लेटे सतेन्द्र जैन कुछ कागज के पन्ने देख रहे हैं और नीचे बैठा शख्स उनके पैरों की मालिश कर रहा है। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने केजरीवाल सरकार पर हमला बोला है। आखिर जेल के बंदी को इस तरह का वीआईपी ट्रीटमेंट कैसे दिया जा रहा है।

बता दें ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सत्येंद्र जैन को 30 मई को गिरफ्तार किया था। उसके बाद से वे जेल में हैं। जेल में वीवीआईपी सुविधाओं वाला वीडियो सामने आने के बाद

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आप सरकार ने जेल नियमों का उल्लंघन किया और सजा की जगह सत्येंद्र जैन को पूरा वीवीआईपी मजा दिया जा रहा है। इससे पहले सत्येंद्र जैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही ईडी ने भी कोर्ट में शिकायत दर्ज कर कहा था कि सतेन्द्र जैन को तिहाड़ जेल में स्पेशल ट्रीटमेंट दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा फैसला.....

किसानों को बिना ब्याज के लाख की खेती के लिए मिलेगा कर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश के अनुरूप छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा किसानों को लाख की खेती के लिए प्रोत्साहित करने और उनकी आय में वृद्धि हेतु विशेष पहल की जा रही है। इसके परिपालन में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा बीहन लाख आपूर्ति तथा बीहन लाख विक्रय और लाख फसल ऋण की उपलब्धता के लिए मदद सहित आवश्यक व्यवस्था की गई है। राज्य में वर्तमान में 4 हजार टन लाख का उत्पादन होता है, जिसका अनुमानित मूल्य राशि 100 करोड़ रुपए है। राज्य में लाख उत्पादन को 10 हजार टन तक बढ़ाते हुए 250 करोड़ रुपए की आय कृषकों को देने का लक्ष्य है।

राज्य में बीहन लाख की कमी को दूर करने हेतु कृषकों के पास उपलब्ध बीहन लाख को उचित मूल्य पर क्रय करने के लिए क्रय दर का निर्धारण किया गया है। इसके तहत कुसुमी बीहन लाख (बेर वृक्ष से प्राप्त) के लिए कृषकों को देय क्रय दर 550 रूपए प्रति किलो ग्राम तथा रंगीनी बीहन लाख (पलाश वृक्ष से प्राप्त) के लिए कृषकों को देय क्रय दर 275 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। इसी तरह कृषकों को बीहन लाख उपलब्ध कराने हेतु विक्रय दर का भी निर्धारण किया गया है। इसके तहत कुसुमी बीहन लाख (बेर वृक्ष से प्राप्त) के लिए कृषकों को देय विक्रय दर 640 रूपए प्रति किलोग्राम और रंगीनी बीहन लाख (पलाश वृक्ष से प्राप्त) के लिए कृषकों को देय विक्रय दर 375 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है।

जिला सहकारी बैंक के माध्यम से किसानों को मिलेगा ऋण

राज्य सरकार द्वारा किसानों को लाख की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जिला सहकारी बैंक के माध्यम से लाख फसल ऋण नि:शुल्क ब्याज के साथ प्रदाय करने हेतु व्यवस्था की गई है। इसके तहत लाख पालन करने हेतु पोषक वृक्ष कुसुम पर 5 हजार रूपए, बेर पर 900 रूपए तथा पलाश पर 500 रूपए प्रति वृक्ष ऋण सीमा निर्धारित है। लाख पालन को वैज्ञानिक पद्धति से करने हेतु राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा कांकेर में प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया है। इस केन्द्र में 03 दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण के साथ लाख उत्पादन क्लस्टर में ऑनफार्म प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

जिला युनियनों में लाख उत्पादन क्लस्टर का गठन भी किया

राज्य में योजना के सफल क्रियान्वयन और लाख उत्पादन में वृद्धि करने के लिए 20 जिला यूनियनों में 3 से 5 प्राथमिक समिति क्षेत्र को जोड़ते हुए लाख उत्पादन क्लस्टर का गठन भी किया गया है। इसके तहत प्रत्येक लाख उत्पादन क्लस्टर में सर्वेक्षण कर कृषकवार बीहन लाख की मांग की जानकारी ली जा रही है। इनमें कृषकों को संघ द्वारा निर्धारित मूल्य पर बीहन लाख देने कुल राशि को अग्रिम रूप से जिला यूनियन खाते में जमा कराना होगा। इसके तहत कुसुमी बीहन लाख के लिए कृषकों से प्राप्त मांग के अनुरूप राशि जमा किए जाने 15 दिसंबर तक समय दिया गया।

क्या वाकई मर्द को दर्द नहीं होता?

श्रीकंचनपथ

आज अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस है। 1999 में इसकी शुरुआत त्रिनिदाद और टैबेगो से हुई थी। अपनी हर पीड़ा को चुपचाप सहने वाला पुरुष 'मर्द' की एक ऐसी परिभाषा को जी रहा है जो उसे इंसान से इतर बना देती है। वह खुलकर रो नहीं सकता, पीड़ा को खामोशी से सह जाता है। न उसकी भावनाओं की किसी को परवाह है और न ही उसकी तपस्या की कोई कद्र। उसकी एक ऐसी छवि बना दी गई है जिसमें वह शोषक, उत्पीड़क की भूमिका में ही ज्यादा नजर आता है। वह छेड़खान है, महिलाओं को घूरता है, उनपर फब्तियां कसता है, उनका बलात्कार करता है, आदि-आदि। लैंगिक भेदभाव का इससे अच्छा और क्या उदाहरण हो सकता है? यौन शोषण और उत्पीड़न का शिकार तो पुरुष भी होते हैं। पर उनके लिए कोई कानून अलग से नहीं है। हालांकि बालकों को भी पाक्सो एक्ट के तहत सुरक्षा दी गई है। पर बालकों के साथ होने वाला यौन उत्पीड़न लोगों की समझ में ही नहीं आता. इसलिए यह कोई मुद्दा नहीं बन पाता. बात सिर्फयहीं तक आकर खत्म नहीं हो जाती। कहीं बाढ़ आती है तो महिलाओं और बच्चों की परेशानी की ही बातें होती हैं. भगदड़ हो, आंधी तूफान हो तब भी इनकी बातें कोई नहीं करता। रात-रात भर बिजली नहीं रहती तब भी यही कहा जाता है कि महिलाएं और बच्चे परेशान होते रहे। तो क्या बिजली गुल होने पर पुरुष तंत्र-मंत्र की साधना करते हैं? मुंडमाला पहनकर आग के इर्द-गिर्द नाचने लगते हैं? आज जब ट्रेनें घंटों विलंब से चल रही हैं तब भी खबर यही बनती है कि महिलाएं और बच्चे परेशान हो रहे हैं। तो क्या पुरुष का बाय-वन गेट-वन फ्री पैकेज में आते हैं? अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस के साथ एक और दिवस मनाया जाता है - टॉयलेट दिवस यानी सीधे संडास. दरअसल, स्त्री हो या पुरुष, दोनों को ही एक ऐसे इंसान की तलब हमेशा बनी रहती है जो उसकी पीड़ा को बिना कहे ही समझ जाए। उसका स्पर्श, उसकी आंखों में चिंता की एक झलक ही संतप्त मन को शीतल कर जाती है। पुरुष का यह संधान अकसर उसकी बेटी में जाकर पूरा होता है। जिनके यहां बेटी नहीं होती, वो जीवन भर इसी मृगमरीचिका के पीछे भागते रहते हैं। वह छटपटाता है, कराहता है, भीतर ही भीतर छलनी होता रहता है। कभी वह नशे में डूबकर फुर्सत के पलों को काटता है तो कभी गहन निराशा में डूबकर मौत को गले लगाता है। कुछ ही पुरुष होते हैं जिनका मन विद्रोह कर उठता है। नफरत की आग में झुलसते ऐसे पुरुष हैवान बन जाते हैं। वह तो भला हो कुछ कलमकारों का जो पिछले कुछ समय से पिता की तपस्या पर केन्द्रित साहित्य की रचना कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि ये रचनाएं प्रेशर कुकर की सीटी या सेफ्टी वाल्व की तरह काम करेंगी। कुछ तो कलंक कटेगा।

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

विवाहिता से रेप की कोशिश, शर्म के मारे महिला ने की जान देने की कोशिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के रामपुर बस्ती में एक महिला के साथ दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। रेप की कोशिश के बाद पीड़िता ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की, फिलहाल उसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है, वहीं आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

रामपुर चौकी अंतर्गत आईटीआई रामपुर बस्ती की रहने वाली महिला शुक्रवार को घर में अपने दो बच्चों के साथ थी। उसका बेटा 2 साल का और बेटी साढ़े 3 साल की है। उसका पति राज मिस्त्री है, जो अपने काम पर गया हुआ था। वहीं अड़ोस-पड़ोस के लोग भी अपने-अपने काम-धंधे पर गए हुए थे। इसी बीच नशे में धुत एक युवक उसके घर में घुस आया और उसे अकेला पाकर उसके साथ रेप की कोशिश की। महिला ने जब इसका विरोध किया, तो उसने उसके साथ मारपीट भी की।

हालांकि बाद में आरोपी वहां से फरार हो गया। इधर इस घटना से आहत महिला ने अपनी जान देने की कोशिश की। इसी बीच उसका पति घर वापस आया, उसने पत्नी की हालत देखकर तुरंत उसे अस्पताल ले गया। फिलहाल महिला की हालत खतरे से बाहर है। पीड़िता ने बताया कि वो आरोपी युवक को नहीं जानती है। पहली बार उसने उसे देखा है। उसने ये भी बताया कि आरोपी शराब के नशे में धुत था। फिलहाल पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

'प्रारंभ' से आगाज

कोई कंपनी अंतरिक्ष संबंधी किसी भी प्रकार का शोध करना चाहे या अंतरिक्ष में कोई उपकरण स्थापित करना चाहे, तो भारत में निजी कंपनी भी सेवा के लिए उपलब्ध है। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत सुखद और प्रेरक है। शुक्रवार को भारत में पहला निजी रॉकेट विक्रम-एस सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया गया। आंध्र प्रदेश के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 1130 बजे लॉन्च किया गया रॉकेट एक संकेत है कि भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच परस्पर सहयोग किस स्तर पर चल रहा है। आज से कुछ साल पहले यह कल्पना से भी परे था कि कोई कंपनी भी एक निजी रॉकेट बनाएगी, जिसे सरकार अपने प्रक्षेपण केंद्र से मंजिल तक पहुंचने देगी। प्रसिद्ध वैज्ञानिक विक्रम साराभाई की अथक बुनियादी कोशिशों के चलते आज इस मुकाम पर पहुंचा अंतरिक्ष अभियान पूरे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस अभियान को प्रारंभ नाम दिया गया, तो कोई आश्चर्य नहीं। निजी रॉकेट के सफल होने की सूचना इसरो ने स्वयं दी है। केंद्रीय मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने विक्रम-एस के लॉन्च से पहले स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस की टीम के साथ एक तस्वीर पोस्ट की है। इस सफलता से भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय स्टार्टअप को बहुत बल मिलेगा। यह कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस वाकई विशेष प्रशंसा की हकदार है, जिसने अपने 'मिशन प्रारंभ' को इसरो की मदद से साकार कर लिया है। अब यह सफलता इतिहास में दर्ज हो गई है। छह मीटर लंबा विक्रम-एस कुछ ही पलों में जमीन से 81 किलोमीटर दूर पहुंच गया और अब अपनी सेवा से धरती पर लोगों को लाभान्वित करेगा। विक्रम-एस रॉकेट अपने साथ दो भारतीय और एक विदेशी पेलोड को पृथ्वी की कक्षा तक ले गया है। चेन्नई स्थित स्टार्टअप स्पेसकिड्ज, आंध्र प्रदेश स्थित एन-स्पेसटेक और अर्मेनियाई बाजूमक्यू स्पेस रिसर्च लैब के उपकरण विक्रम-एस के साथ अंतरिक्ष में गए हैं। भारत, अमेरिका, सिंगापुर और इंडोनेशिया के छात्रों द्वारा विकसित 2.5 किलोग्राम पेलोड भी साथ गया है। इसका मतलब यह है कि अगर कोई कंपनी अंतरिक्ष संबंधी किसी भी प्रकार का शोध करना चाहे या अंतरिक्ष में अपना कोई उपकरण स्थापित करना चाहे, तो भारत की निजी कंपनी भी इस सेवा के लिए उपलब्ध है। यह दौर छोटे उपग्रहों या सैटेलाइट का भी, जिनके जरिये कंपनियां अपने-अपने ग्राहकों या यूजर्स तक पहुंच सकती हैं। मिसाल के लिए, अगर भारत का कोई शिक्षा संस्थान अपनी ऑनलाइन पढ़ाई को विकसित करने के लिए अलग से सैटेलाइट लॉन्च करना चाहे, तो यह अब निजी तौर पर संभव है। भविष्य में अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग सैटेलाइट की जरूरतें बढ़ेंगी। अलग-अलग उपकरणों को अंतरिक्ष में ले जाने वाला विक्रम-एस ट्रैकिंग, जीपीएस, ऑन-बोर्ड कैमरा, डाटा अधिग्रहण और पावर सिस्टम से लैस है। वैसे स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी अपने आप में एक प्रेरणा है। इस कंपनी की स्थापना 2018 में हैदराबाद में हुई थी और यह इसरो के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला पहला स्टार्टअप है। इस कंपनी ने अपने स्तर पर क्रायोजेनिक, हाइपरगोलिक- तरल और ठोस ईंधन आधारित रॉकेट इंजन का सफलतापूर्वक निर्माण और परीक्षण किया है, लेकिन यह तो महज शुरुआत है, अभी भारत में 40 से अधिक कंपनियां अपने-अपने अभियान में जुटी हैं। अभी विश्व अंतरिक्ष बाजार में भारत की हिस्सेदारी महज दो प्रतिशत है, हमने निजीकरण की शुरुआत कुछ देर से की है, लेकिन हमें दूर तक जाना है।

> चेन्नई स्थित स्टार्टअप स्पेसकिड्ज, आंध्र प्रदेश स्थित एन-स्पेसटेक और अर्मेनियाई बाजूमक्यू स्पेस रिसर्च लैब के उपकरण विक्रम-एस के साथ अंतरिक्ष में गए हैं। भारत, अमेरिका, सिंगापुर और इंडोनेशिया के छात्रों द्वारा विकसित 2.5 किलोग्राम पेलोड भी साथ गया है। इसका मतलब यह है कि अगर कोई कंपनी अंतरिक्ष संबंधी किसी भी प्रकार का शोध करना चाहे या अंतरिक्ष में अपना कोई उपकरण स्थापित करना चाहे, तो भारत की निजी कंपनी भी इस सेवा के लिए उपलब्ध है।

भारत में पर्यावरण संकट

हमने प्रकृति से जो खिलवाड़ किया है उसी का परिणाम हमारे सामने है। प्रकृति ने हमें पेड़ पौधे हरियाली दी, पशु पक्षी दिए लेकिन हमने पेड़-पौधों को काटकर कंक्रीटों का जंगल बना लिए जहां पेड़ नहीं तो चिड़िया की चहचहाहट और कोयल की कूक होने का सवाल ही कहां उठता है। लेकिन समझदार हैं कहलानेवाले मनुष्य ने प्लास्टिक के पेड़ और घर में कोयल की आवाजवाली डोर बेल लगाकर ऐसा दिखने की कोशिश की मानों कुछ हुआ ही न हो। पेड़ों की ठंडी छांव की कमी दूर करने के लिए हमने वातानुकूलित संयंत्रों का सहारा तो लिया लेकिन यह तमाम ऐसी भी तो तापमान में वृद्धि करने का कारण बन रहे हैं। आज 45 से 49 तापमान को 55 से 60 होने में देर नहीं लगेगी। इसलिए हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने के नारे और कागजी बातें छोड़कर न केवल धरा पर पौधे लगाने चाहिए बल्कि उनकी सतत निगरानी भी करनी होगी। एक पौधे को बड़ा होने में कम से कम 5 वर्ष लगते हैं इसलिए यह कार्य हर शुभ अवसर पर होना चाहिए। यह सत्य है कि जनसंख्या नियंत्रण अथवा पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार सख्त से सख्त कानून बनाकर इस दिशा में कुछ सार्थक कर सकती है लेकिन यह दोनों काम केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़े जा सकते। यह धरा हमारी है तो इसे रहने लायक बनाए रखने की जिम्मेवारी भी तो हमारी है। भारतीय जीवन दर्शन में पर्यावरण को बहुत अधिक महत्व दिया गया है। जब हम अपनी सांस्कृतिक परम्परा की बात करते हैं तो इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हमारा उद्देश्य आधुनिकता को पूरी तरह से नकारना है। आधुनिकता और प्रकृति के बीच संतुलन की अनदेखी नहीं की जा सकती। विशेष रूप से पर्यावरण के संदर्भ में यह स्वीकार करना ही पड़ेगा कि अंधी आधुनिकता ने प्रकृति का ऐसा दोहन किया है कि आगे का रास्ता तक दिखने में कठिनाई होने लगी है । प्राचीन भारतीय वाङ्मय - वैदिक-साहित्य, पुराणों, धर्मशास्त्रों, रामायण, महाभारत, संस्कृत साहित्य के अन्यान्य ग्रन्थों, पालि- प्रकृति साहित्य आदि की छानबीन करने पर पुरातन भारत की अरण्य-संस्कृति के मनोहर स्वरूप का साक्षात्कार होता है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में अनेक रमणीय उद्यानों का संकेत मिलता है। अग्निपुराण में कहा गया है कि जो मनुष्य एक भी वृक्ष की स्थापना करता है, वह तीस हजार इन्द्रों के काल तक स्वर्ग में बसता है। जितने ही वृक्षों का रोपण करता है, अपने पहले और पीछे की उतनी ही पीढियों को वह तार देता है। मत्स्यपुराण में वृक्ष-महिमा के प्रसंग में यहां तक कहा गया है कि दस कुओं के समान एक बावड़ी, दस बावड़ियों के समान एक एक तालाब, दस तालाबों के समान एक पुत्र का महत्व है, जबकि दस पुत्रों के समान महत्त्व एक वृक्ष का अकेले है। पर्यावरण और जीवन का एक-दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है कि पर्यावरण के बिना जीवन नहीं हो सकता और जीवन के बिना पर्यावरण नहीं हो सकता। भारतीयता का अर्थ यही है- हरी-भरी वसुंधरा और उसमें लहलहाते फूल, गरजते बादल नाचते मोर और कल-कल बहती नदियाँ। यहाँ तक कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों और लताओं को देव तुल्य माना गया है। जहाँ अनादिकाल से इस प्रार्थना की गूंज होती रही है- है पृथ्वी माता तुम्हारे वन हमें आनंद और उत्साह से भर दें। पेड़-पौधों को सजीव और जीवंत मानने का प्रमाण भारतीय वाङ्मय मे विद्यमान है । नीम- पीपल आदि वृक्षों को घर-आंगन या आसपास लगाना हमारी परम्परा का विस्तार है। वृक्ष हमारे जीवन में रचे-बसे हैं इसीलिए तो हमारी लोक गाथाओं, लोकगीतों में शुद्ध सुगंध शीतल समीर, खुला आकाश, निर्मल जलधारा को पर्याप्त सम्मान प्राप्त है। पीपल जैसे पर्यावरण रक्षक वृक्ष के महत्व की चर्चा जन-जन के दय में है।

> साठ साल पहले चीन ने भारत पर हमला किया था। संसद में लगभग महीने भर बहस हुई थी। तब राज्यसभा में अटल बिहारी वाजपेयी ने 9 नवंबर को सरकार की तीखी आलोचना की थी और प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 10 दिसंबर को लोकसभा से देश को आश्वस्त किया था।

चीनी इरादों को समझ नहीं पाई यह सरकार

अटल बिहारी वाजपेयी, प्रसिद्ध राजनेता

हम एक महान राष्ट्रीय संकट की छाया में यहां एकत्र हुए हैं। आज हमारी अनमोल आजादी खतरे में है। हमारा अस्तित्व दांव पर लगा है। जीवन में हमें जो कुछ प्रिय है, पूज्य है, उसे मिटाने के लिए कम्युनिस्ट चीन ने अपना खूनी पंजा आगे बढ़ाया है। यह हमारे लिए जिंदगी और मौत की लड़ाई है, हमें इससे विजयी बनकर निकलना है। इस अग्नि-परीक्षा से कुंदन बनकर चमकना है, लेकिन विजय की पहली शर्त है कि हम आत्म-निरीक्षण करें।

मुझे यह देखकर दुख हुआ है कि इस संकट की घड़ी में भी हम यह स्पष्ट शब्दों में मानने को तैयार नहीं हैं कि चीन के इरादों को, चीन की सैनिक तैयारी को और चीन के अतिक्रमणों को सही रूप में समझने में हमने गलती की है। हमें यह भी स्वीकार करने में संकोच नहीं होना चाहिए कि राष्ट्रीय सुरक्षा की उपेक्षा करके हमने राष्ट्र के प्रति अपराध किया है, सीमाओं को असुरक्षित छोड़कर हम एक महान पाप के भागी बने हैं और हमें उसका प्रायश्चित करने के लिए तैयार होना चाहिए।

क्या यह लज्जा की बात नहीं है कि स्वाधीनता के पंद्रह वर्षों के बाद भी हम छोटे-मोटे हथियारों के लिए विदेश का मुंह ताकें? क्या हम अपने देश में ऑटोमेटिक राइफल्स भी नहीं बना सकते थे? क्या हम अपने जवानों को पहनने के लिए पूरे कपड़े भी नहीं दे सकते थे? उन जवानों की वीरता की गाथा गाना ही पर्याप्त नहीं है, उनके आत्मोत्सर्ग की कहानियां ही काफी नहीं हैं। हमारे जवान हरदम मौत से खेलते रहे हैं, जान हथेली पर रखकर लड़ते रहे हैं। लेकिन केवल जवानों की वीरता हल्दीघाटी के मैदान में हमारी पराजय को नहीं रोक सकी, केवल जवानों का बलिदान पानीपत के मैदानों के इतिहास की कालिमा को नहीं बदल सका। उन जवानों के लिए जो सीमा पर अपना रक्त देकर हमारी रक्षा कर रहे हैं, हम श्रद्धा से नत हो जाते हैं, मगर हम इन जवानों को पूरी तरह से तैयार नहीं कर सके, इसके लिए भी हमारा मस्तक लज्जा से झुक जाना चाहिए।

मेरा मत है कि इस बात की जांच की जाए, पता लगाया जाए कि नेफा की सीमा पर, जिसके संबंध में कहा जाता था कि वहां सुरक्षा की व्यवस्था बिल्कुल पक्की है, पूरी संख्या में जवान क्यों नहीं थे? उनके हाथों में जैसे हथियार चाहिए, वैसे हथियार क्यों नहीं थे? 8 सितंबर को चीनियों ने पहला हमला किया और उसके बाद 20 अक्तूबर को बड़ा आक्रमण किया। इतने दिन हमें मिले और इन दिनों में हमने अपने को क्यों नहीं तैयार किया? आज इसका विवरण देना होगा। ...मैं यह जानना चाहूंगा कि हम नेफा में पूरी तरह से तैयार थे या नहीं थे? क्या यह हमारे प्रधानमंत्री जी को पता था? अगर यह पता था, तो विदेश यात्रा से वापस आने के बाद उन्होंने हवाई अड्डे पर यह क्यों नहीं कहा कि हमने सेना को चीनियों को देश की भूमि से बाहर खदेड़ने का आदेश दे दिया है। अगर यह कहा जाए कि उन्हें पता नहीं था, तो फिर इस प्रश्न का उत्तर देना होगा कि उनको इस बारे में किसने अंधेरे में रखा? ...क्या शासन गारंटी देने की स्थिति में है कि जो भूल हो गई है, उसे दोहराया नहीं जाएगा?...मुझे संदेह है कि सरकार अब भी चीनी इरादों को समझ पा रही है या नहीं समझ पा रही है। ...गुटनिरपेक्षता कोई पूजा की वस्तु नहीं है, वह एक नीति है, सिद्धांत नहीं है। नीति अगर देश के हित में है, तो हम अपनाएंगे और जिस दिन वह नीति देश के खिलाफ चली जाएगी, हम उसको पुराने फटे कपड़ों की तरह उतारकर फेंक देंगे। देश पहले है, नीतियां बाद में। नीतियां देश के लिए हैं, देश नीतियों के लिए नहीं है; नीतियां देश के लिए बनती हैं, देश नीतियों के लिए नहीं बनते।

...मेरा निवेदन है कि जो भी पुरानी भूलें हुई हैं, उनके प्रकाश में हमें अपनी नीतियां निर्धारित करनी चाहिए। आज सारा देश प्रधानमंत्री के पीछे खड़ा है। वह हमारी आजादी की लड़ाई के सेनानी रहे हैं, वह शांति के संदेशवाहक रहे हैं। मगर शायद इतिहास उनकी परीक्षा करना चाहता है कि जो शांति में नेतृत्व कर सके, वह अग्नि-वर्षा के बीच भी राष्ट्र को विजय के रम्य तट तक पहुंचा सकते हैं या नहीं? इसलिए आज केवल जवानों की परीक्षा नहीं हो रही, बल्कि भारत के एक-एक नागरिक की परीक्षा हो रही है, जिसमें हमारे प्रधानमंत्री भी शामिल हैं। आवश्यकता इस बात की है कि जो जनता का उत्साह जगा है, उसे ठोस रूप दिया जाए, ...हर एक व्यक्ति यह जानना चाहता है कि आज की संकट की स्थिति में मुझसे क्या अपेक्षा की जाती है?

(राज्यसभा में दिए गए भाषण का अंश)

संसार जानता है भारत शांतिप्रिय है, लेकिन

जवाहरलाल नेहरू, तत्कालीन प्रधानमंत्री

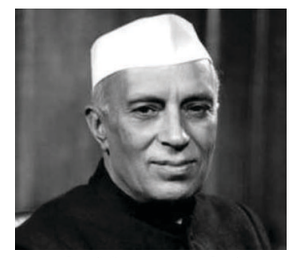

एक महीना हुआ, 8 नवंबर को मैंने चीन द्वारा आक्रमण के फलस्वरूप आपात की उद्घोषणा के बारे में एक संकल्प प्रस्तुत किया था। इसके पश्चात एक अन्य संकल्प प्रस्तुत किया गया था, जिसमें बताया गया था कि चीन ने किस प्रकार भारत की मित्रता और सद्भावना का और पंचशील के सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। सभा ने सर्वसम्मति से संकल्प पारित किया था, जिसमें अपनी पवित्र भूमि से आक्रमणकारियों को खदेड़ देने के दृढ़ संकल्प की पुष्टि की गई थी, चाहे यह संघर्ष कितना ही लंबा और कड़ा हो। इस संकल्प पर काफी चर्चा हुई थी और इसमें बहुत से सदस्यों ने भाग लिया था। 14 नवंबर को यह संकल्प सर्वसम्मति से ही नहीं, बल्कि असामान्य ढंग से पास किया गया था, जिसमें सदस्यों ने खड़े होकर आक्रमणकारियों को खदेड़ने का वचन लिया था, हम उस वचन पर दृढ़ हैं।

...सारा संसार जानता है कि हम शांतिप्रिय हैं और हमने सदैव शांतिप्रिय तरीकों से काम करने का प्रयत्न किया है। स्वेच्छा से हम इन युद्ध सरीखे कामों में संलग्न नहीं हुए हैं। भारतमाता की रक्षा प्रत्येक भारतीय का मुख्य कर्तव्य है। साम्राज्यवादी और विस्तारवादी चुनौती केवल हमें ही नहीं, परंतु सारे विश्व को चुनौती है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून और परंपरा का खुलेआम उल्लंघन है। यदि आज हम इस आक्रमण को सहन कर चुप बैठे रहते हैं, तो यह भय भारत को ही नहीं, बल्कि एशिया के सब देशों के लिए बना रहेगा। यह विश्व के लिए गलत शुरुआत होगी। अत हम पूरी कोशिश कर, पूरी योग्यता के साथ इस चुनौती का सामना कर अपनी जन्मभूमि की रक्षा करेंगे।

...चीन की कार्रवाई विश्व चेतना का अपमान है। जिन देशों से हमें सहानुभूतिपरक समाचार मिले हैं, उनसे यह स्पष्ट है। ...हमने चीन की सरकार अथवा चीन के प्रधानमंत्री के समक्ष कई बार इस बात को दोहराया है कि हमें इस विवाद को हल करने के लिए शांतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए...। आज कोलंबो सम्मेलन हो रहा है। इसमें भारत और चीन के मतभेद दूर करने के लिए दोनों पक्षों की मान्य सिफारिशों पर विचार किया जाएगा। हम उनकी मैत्रीपूर्ण भावना का स्वागत करते हैं।... एक आक्रमणकारी और प्रसारवादी सत्ता से कोई समझौता नहीं हो सकता। आक्रमण के फलस्वरूप अधिकार की गई भूमि को दोनों पक्षों द्वारा इस विवाद को हल करने से पहले वाली स्थिति में लाना आवश्यक है।

पर्याप्त समय से हम तटस्थ नीति में विश्वास करते रहे हैं। मेरा विश्वास है कि यह सही नीति है। इस नीति से हमारा अभिप्राय है कि किसी सैनिक प्रयोजन के लिए किसी का साथ नहीं देना। मेरे विचार में यह नीति जारी रहनी चाहिए, किंतु हमें अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए हरसंभव उपाय अपनाने चाहिए और इस पवित्र कार्य में सहायता के लिए इच्छुक सभी मित्र देशों से हमें सहायता स्वीकार कर लेनी चाहिए।

इस संकट के समय जिन देशों ने हमारा साथ दिया है, हमारे प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्त किया है, मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे देश इस विचारधारा से सहमत होंगे कि हमारे लिए तटस्थ नीति का परित्याग न करना उचित है। केवल एक ही ऐसा देश है, जो तटस्थता की नीति का अनुमोदन नहीं करता है और वह देश चीन है।

...इस विषय में हम अत्यंत गंभीर हैं, किंतु मैं बहुत संयत भाषा का प्रयोग कर रहा हूं, क्योंकि इसके अंतर्गत विवाद बहुत गंभीर हैं और उन्हें आसानी से या फिर एक-दूसरे की निंदा द्वारा हल नहीं किया जा सकता है। यह देश के भविष्य का प्रश्न है। इन विकराल समस्याओं का सामना करने के लिए हमें तैयार रहना चाहिए। इस समस्या के कई पहलू हैं। ...यद्यपि हम इन समस्याओं के प्रति बहुत भावुकतापूर्ण ढंग से विचार करते हैं, किंतु हमें भावनाओं से प्रभावित होकर गलत काम नहीं करना चाहिए। ...हमें हर तरह से अपने आप को सशक्त बनाना है और देश में उचित वातावरण बनाना है। हम इसके लिए प्रयत्नशील हैं।

जब तक चीन की वर्तमान नीति और उसके सैनिक कारनामे जारी हैं, ये हमारी स्वतंत्रता और एकता के लिए चुनौती हैं। अत हमें पूरी ताकत के साथ इस धमकी का मुकाबला करना है। ...यह बात पूर्ण उत्तरदायित्व और विश्वास के साथ कह रहा हूं कि अंत में विजय हमारी होगी, किंतु इसके लिए अथक प्रयत्न और असीमित त्याग की आवश्यकता है।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

फुटबॉल के महामुकाबले पर दुनिया की नजर और भारत

आनंदी बारुआ, फुटबॉल कोच व पूर्व खिलाड़ी

रविवार 20 नवंबर से कतर में फुटबॉल का महाकुंभ शुरू हो रहा है। इस बार विश्व की 32 टीमों के बीच कुल 64 मुकाबले होंगे। पिछले तमाम विश्व कप की तुलना में इस बार का टूर्नामेंट खास है, क्योंकि कतर में खिलाड़ियों और टीमों को कहीं ज्यादा पैसे मिलेंगे। सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली टीमों को भी अच्छी-खासी प्रोत्साहन-राशि दी जाएगी। पुरस्कार की रकम तो खैर इस बार काफी ज्यादा है ही। यही वजह है कि टीमों के आकलन का खेल भी शुरू हो गया है।

फुटबॉल 90 मिनट तक चलने वाला ऐसा मुकाबला है, जिसके आखिरी परिणाम को लेकर अंत-अंत तक कहना काफी कठिन होता है। फिर, विश्व कप में तो वे टीमें आती हैं, जिनको यहां तक पहुंचने से पहले विभिन्न कठिन मुकाबलों से गुजरना पड़ता है। लिहाजा अभी ठीक-ठीक कहना मुश्किल है कि कौन-सी आठ टीमें 'राउंड ऑफ 16' तक पहुंचेंगी, लेकिन ब्राजील, बेल्जियम, अर्जेंटीना, इंग्लैंड, उरुग्वे, स्पेन, फ्रांस आदि पर विशेष नजर है, क्योंकि इनमें काफी ज्यादा क्षमता है। जर्मनी और क्रोएशिया की टीमों ने बेशक पिछले विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था, मगर उनसे भी इस बार काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। कतर में कमोबेश सभी टीमें अपनी खास रणनीति के साथ पहुंची हैं। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पिछले एक साल में अच्छा खेला है। उन्होंने 62 फीसदी गोल 'डेड बॉल सिचुएशन' में मारे हैं। इसका अर्थ है कि वे कॉर्नर, फ्री किक, पेनल्टी जैसे मौकों को बखूबी अपने हक में भुना सकते हैं। इसी तरह, जर्मनी की टीम आक्रामक खेल में विश्वास करती है, तो ब्राजील का हौसला कन्फेडरेशन कप और कोपा अमेरिका में बेहतर प्रदर्शन करने के कारण बुलंद है। उसके पास नेमार जैसे खिलाड़ी भी हैं, जो किसी क्षण मुकाबले का रुख बदल सकते हैं।

यह अच्छी बात है कि भारत में फुटबॉल को लेकर उत्साह बढ़ा है। कोलकाता में तो फुटबॉलप्रेमी ब्राजील और अर्जेंटीना टीमों के बीच बंटे होते हैं। वहां हर घर में नेमार, लियोनेल मैसी जैसे खिलाड़ियों की तस्वीरें दिख जाती हैं। दक्षिण में केरल जैसे राज्यों पर भी फुटबॉल का बुखार चढ़ने लगा है। दिल्ली में रुझान इस कदर बढ़ रहा है कि यहां नए-नए बच्चों को मैदानों में पसीना बहाते देखा जा सकता है। ऐसे में, यह विडंबना ही है कि हमारी टीम फीफा विश्प कप जैसे अहम मुकाबलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाती। हालांकि, 2026 के लिए काफी उम्मीदें हैं। अगला विश्व कप मैक्सिको, कनाडा और अमेरिका में संयुक्त रूप से आयोजित हो रहा है और इसमें टीमों की संख्या 32 से बढ़ाकर 48 की गई है। इस कारण आठ एशियाई टीमों को इसमें जगह मिलेगी। यह हमारे खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर है। वे इसका लाभ उठा सकते हैं। हालांकि, यह आसान नहीं होगा। इसके लिए हमें खूब मेहनत करनी होगी।

अपने देश में इंडियन सुपर लीग जैसे आयोजन अधिकाधिक होने चाहिए। ऐसे टूर्नामेंट से हमारे खिलाड़ियों की फिटनेस सुधरी है। अंतरराष्ट्रीय कोच से उनको अच्छी मदद मिल रही है। हालांकि, हमारे पास अच्छा फॉरवर्ड नहीं है, जिस पर हमें विशेष ध्यान देना होगा। संतोष ट्रॉफी भी काफी भरोसे का टूर्नामेंट साबित हुआ है। अगर अभी से ही अंडर-21 की नई पौध पर मेहनत की जाए और उनको प्रशिक्षण दिया जाए, तो चार साल में हम एक अच्छी टीम बना सकते हैं। साफ है, कतर में बेशक हमारे खिलाड़ी नहीं होंगे, लेकिन हम दिलचस्प और कड़े मुकाबले जरूर देखेंगे। मेसी का यह आखिरी विश्व कप हो सकता है। इसी तरह, नेमार पर भी नजर रहेगी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन को भी विपक्षी टीमें घेरने का प्रयास करेंगी, क्योंकि वह इंग्लैंड की तरफ से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बनने की दहलीज पर हैं।

इसके अलावा, कुछ नए खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी गौरतलब हो सकता है। होता यह भी है कि जो खिलाड़ी विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, उनको फुटबॉल क्लब अपने पाले में करने को तैयार रहते हैं। लिवरपूल, मैनचेस्टर जैसे क्लब तो अच्छे खिलाड़ियों के लिए मुंहमांगी रकम चुकाते हैं। उम्मीद है, हमारे देश के फुटबॉलर आने वाले दिनों में इस तरह के क्लब का हिस्सा बन भारत का नाम रोशन करेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग
ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

41वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के छत्तीसगढ़ पवेलियन पहुंचे पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू

पर्यटन विभाग के स्टॉल का जायजा लेकर प्रदर्शित परियोजनाओं का किया अवलोकन

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में हो रहा है अंतर्राष्ट्रीय मेले का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में लगाए गए छत्तीसगढ़ पवेलियन वर्तमान में देश व विदेश के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है। छत्तीसगढ़ पवेलियन में 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' की झलक देखने को मिल रही है। छत्तीसगढ़ पवेलियन में छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग ने भी अपना स्टाल लगाया है।

छत्तीसगढ़ पैवेलियन में आज छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण, गृह, पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने विभागीय अधिकारियों के साथ छत्तीसगढ़ टूरिज्म के स्टॉल का जायजा लिया और प्रदर्शित परियोजनाओं का अवलोकन करते हुए उनकी जानकारी ली।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन में सुदृढ़ ग्रामीण अर्थव्यवस्था व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते छत्तीसगढ़ को दिखाने का प्रयास किया गया है। यहाँ प्रदर्शनी बोर्ड के माध्यम से आगंतुकों को छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाली योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इस मंच से छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं सभ्यता के साथ यहाँ के पर्यटन को वैश्विक पहचान मिल रही है । छत्तीसगढ़ पवेलियन में यहां की कला, संस्कृति, सभ्यता और परंपरा की परिभाषा को हर तरीके से परिभाषित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पवेलियन में सी-मार्ट का स्टॉल लगा हुआ है। सी मार्ट ग्रामीण अर्थव्यवस्था के तेजी से विकास के लिए गांवों में तैयार उत्पादों को शहरों से जोड़ने की पहल की गयी है। यहाँ महिला स्व सहायता समूहों, शिल्पियों, बुनकरों व अन्य पारंपरिक एवं कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पादों का विक्रय किया जाता है। पवेलियन में भी इस स्टाल पर विभिन्न उत्पादों की खरीदी की जा सकती है। पवेलियन में छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति से जुड़े हुए उत्पादों को बखूबी डिस्प्ले किया गया है। छत्तीसगढ़ की जनजाति समुदाय द्वारा हाथ से बनाई गयी शिल्प वस्तु, कलाकृति, चित्रकारी, परिधानों की प्रदर्शनी लगाई गयी है। यहाँ बुनकर राज्य की खास पहचान कोसा सिल्क की साड़ियाँ लेकर पहुंचे हैं। इसके अलावा विश्व प्रसिद्ध शिल्पकारी बेलमेटल, ढोकरा और गोदना आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है।

किसानों से तीसरे सप्ताह 8.67 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में धान खरीदी के तीसरे सप्ताह किसानों से समर्थन मूल्य पर 8 लाख 67 हजार 487 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। राज्य सरकार की धान खरीदी के समुचित व्यवस्था के चलते किसान उत्साह के साथ धान खरीदी केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। धान बेचने के लिए अब उन्हें लम्बा इंतजार नहीं करना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान बेचने वाले किसानों को अग्रिम में टोकन दिया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप किसानों का धान सुविधाजनक ढंग से खरीदने का काम हो रहा हैं। धान खरीदी के साथ-साथ लगातार कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव भी चल रहा है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 नवंबर से चालू धान खरीदी सीजन में अब तक लगभग 2 लाख 61 हजार 346 किसानों से 8 लाख 67 हजार 487 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। धान के एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत 1777.59 करोड़ रुपये का भुगतान जारी कर दिया गया है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 110 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन अनुमानित है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए प्रदेश में 25.91 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.18 लाख नये किसान है। राज्य में धान खरीदी के लिए 2538 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। इस साल किसानों से सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि आज 18 नवम्बर को 30 हजार 895 किसानों से 1 लाख 10 हजार 251 मीट्रिक टन धान तथा ऑनलाइन प्राप्त टोकन के जरिए किसानों से 16 हजार 590 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। आगामी दिवस की धान खरीदी के लिए राज्य में धान उपार्जन के लिए 38 हजार 113 टोकन तथा तुंहर हाथ एप के जरिये 5689 टोकन जारी किए गए हैं। राज्य में धान खरीदी निर्बाध रूप से जारी है। अधिकारी धान खरीदी व्यवस्था पर निरंतर निगरानी रखे हुए हैं। सीमावर्ती राज्यों से अवैध धान परिवहन को रोकने के लिए चेक पोस्ट के जरिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। खाद्य सचिव वर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव हो रहा है। अब तक 5 लाख 95 हजार 022 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डी.ओ. जारी किए गए हैं, जिसके एवज में उपार्जन केंद्रों से 2 लाख 60 हजार 849 मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है।

खास खबर

पतंजलि योग समिति का एक दिवसीय निःशुल्क समन्वित योग शिविर रविवार को

रायपुर। पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव का एक दिवसीय निःशुल्क शिविर अनुपम गार्डन में रविवार,20 नवम्बर को आयोजित किया गया है। जिसमें आचार्य चंद्रमोहन,सचिन भाई प्रभारी युवा भारत हरिद्वार एवं संसदीय सचिव एवं विधायक विकास उपाध्याय भी प्रमुख रूप से अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पतंजलि योग समिति के सह-राज्य प्रभारी योगाचार्य छबिराम साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि राजधानी रायपुर के अनुपम गार्डन में एक दिवसीय निःशुल्क समन्वित (इन्टीग्रेटड) योग शिविर का आयोजन रविवार को प्रातः 5.30 से 8 बजे के बीच किया गया है। यह शिविर स्वामी परमार्थ देव जी के सानिध्य में होगा। संभाग स्तरीय होने वाले योग शिविर में भाग लेने वालों को खाली पेट, ढीले ढाले वस्त्र पहनकर, योग हेतु स्वंय का चादर अथवा योगा मैट लेकर आना होगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा। एकीकृत बाल विकास परियोजना अंतर्गत कोरबा शहरी परियोजना के आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। परियोजना अंतर्गत कुल 10 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि पांच दिसंबर 2022 निर्धारित की गई है। कोरबा शहरी परियोजना के अंतर्गत आने वाले वार्डों के आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के दो और सहायिका के आठ पद इस प्रकार कुल 10 रिक्त पदों लिए आवेदन मंगाया गया है। आवेदन निर्धारित प्रारूप में कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा शहरी में निर्धारित तिथि तक कार्यालयीन समय में सीधे जमा कर सकते हैं।

ज्ञान कल्याणक पूजन के साथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में भक्तों ने किया पूजन

प्रकृति को समझकर कर्म प्रकृति के साथ सामान्य जीवन जीना चाहिए-आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्वशांति महायज्ञ में आज ज्ञान कल्याणक पूजन के अवसर पर भक्तों ने आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के अमृत वचनों से मंगल अभिषेक एवं शांतिधारा किये जहां आचार्य श्री ने प्रतिष्ठित होने जा रही प्रतिमाओं पर ससंघ सूर्यमंत्रोंच्चार प्रतिष्ठाचार्य पं. पवन दीवान सागर जी के साथ धर्मक्रिया इन्द्रों के साथ पंडाल स्थल पर कराये।

इस अवसर पर प्रचार प्रसार प्रमुख प्रदीप जैन बाकलीवाल ने बताया कि आज आचार्यश्री से आशीर्वाद लेने कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि सांसद विजय बघेल पहुचे और आचार्यश्री को श्रीफल अर्पण कर भक्तों के साथ आशीर्वाद प्राप्त किये। जहां सांसद श्री बघेल का पंचकल्याणक समिति के डॉ. प्रमोद विनायके, राकेश जैन, प्रदीप जैन बाकलीवाल, कमलेश जैन, भागचंद जैन, अमित जैन, विमल जैन, बबलु जैन, विनय जैन, पुनित जैन आदि ने सांसद विजय बघेल को चांदी का कलश प्रदान कर स्वागत किये। प्रकाश मोदी का भी सम्मान दिनेश जैन अध्यक्ष एवं प्रशांत जैन ने किया। मंच संचालक मुख्य संयोजक प्रशांत जैन ने किया।

आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के पाद प्रच्छालन एवं आचार्यश्री को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य संतोष जैन, रजनीश जैन एवं परिवार को मिला। आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज जी:- ने अपने अमृत वचन में कहा कि आहारचर्या पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जैन मुनिगण भोजन लेने आहारचर्या हेतु जैन भक्तों के घर घर जाते हैं। इसलिए स्वस्थ्य रहते हैं।

आहार के साथ साथ विहार भी जरूरी है जिससे स्वस्थ रहते हैं। बैल एक बार बैठ गया तो दुबारा उठ नही पाता यही स्थिति व्हीआईपी लोगों की है। मैं व्हीआईपी उसे मानता हूं जो मोहमाया छोड़ कर दीन दुखियों की सेवा करते हैं। जो विशेष बनना चाहते हैं, उन्हें अपने कार्य के प्रति पागल होना पड़ता है। मेरे पास जो व्हीआईपी बनकर आता है मैं उनकी पोल खोल देता हूं। आप सामान्य जीवन जीना चाहते हैं, या व्हीआईपी बनकर, इस पर उन्होंने डॉक्टर एवं कुछ प्रतिष्ठि लोगों से धर्मसभा में पूछा तो डॉक्टर बंधु ने कहा कि हम सामान्य जीवन के साथ लोगों की सेवा करना चाहते हैं। सभा में आचानक आचार्यश्री ने पूछा कि यह प्रदीप बाकलीवाल सामान्य है या विशेष तो लोगों ने कहा कि विशेष जो अपने कार्य के प्रति सजग है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब तक आप लोग सोते रहते हैं तब तक मैं दस किलोमीटर की यात्रा कर लेता हूं। मैं पैदल ही पूरा देश घूम चुका हूं लेकिन यहां आकर देखता हूं कि आप लोग यही के यहीं हैं। अपने सार्थक विचार प्रदान करते हुए कहा कि जिस तरह सागर नदी का जल सभी पशु,पक्षियों, मनुष्यों के लिए है वैसे ही मॉ जिनवाणी का प्रवचन सबके लिए होता हैं। उन्होंने व्यक्ति को पीला वस्त्र पहनने की सलाह दी। आचार्य प्रवर ने कहा कि जब मैं यहां मंडप पहुंचा तब मंडप सो रहा था ओर जब मंडप पहुंचा तो पूरा मंडप हंसन लगा। महापुरूष जहां पहुंचते हैं उनके आने से लोग मुस्कुराने लगते है और जाने के बाद रोने लगते हैं।

महाराज जी के पाद प्रच्छालन हेतु लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। आज आदिकुमार भगवान के मंगल आहारचर्या इन्द्र, इन्द्राणियों सहित सैकड़ों महिलाओ, एवं पुरूष वर्गों ने आचार्य श्री के ससंघ सानिध्य में ज्ञान कल्याणक दिवस पर पंडाल स्थल में आहारचर्या इच्छुरस के साथ कराया। दोपहर में समोसरण स्थल का उदघाटन डॉ. प्रमोद विनायके एवं कमलेश जैन ने किया। ज्ञान कल्याणक और भगवान की केवल ज्ञान प्राप्ति पर आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने भगवान के समोसरण से धर्म क्रिया कराते हुए मंगल प्रवचन दिये।भक्तों के साथ कराया।

दुर्ग रीजन के 698 बिजली बकायादारों पर कार्रवाई कर वसूले एक करोड़ 6 लाख रुपए से अधिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं से बकाया राजस्व वसूली के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत दुर्ग रीजन के दुर्ग षहर वृत्त के तीनों सभाग तथा दुर्ग वृत्त के बेमेतरा एवं साजा संभाग में विषेश अभियान चलाकर विगत तीन दिनों में 698 निम्नदाब उपभोक्ताओं से 01 करोड़ 06 लाख 83 हजार रुपए से अधिक की वसूली की गई। इस दौरान बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 661 बकायेदार उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्षन काट दिये गये।

गौरतलब है कि बिजली कंपनी द्वारा अपने उपभोक्ताओं को निर्धारित समयावधि पर बिजली बिल के भुगतान के लिए बिल वितरण की व्यवस्था के साथ-साथ ''मोर बिजली एप'' एवं अन्य ऑनलाइन सुविधाएं दी जा रही है। बिजली बिल के देयको के भुगतान में विलंब होने पर उपभोक्ताओं को बार-बार ध्यान आकृश्ट कराया जा रहा है, जिससे वे देयक समय पर जमा कर देवें। मैदानी अधिकारी एवं उनकी टीम बकायेदार उपभोक्ताओं के पास स्वयं पहुंचकर उनसे बिजली बिल जमा करने का अनुरोध कर रहे हैं। इसके बावजूद बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले गैरघरेलू, औद्योगिक एवं घरेलू श्रेणी के बकायेदारों के लिए विषेश अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। अधीक्षण अभियंता(वृत्त) ए.के.गौराहा ने बताया कि विद्युत कंपनी द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि सहायक एवं कनिश्ठ अभियंता स्तर के अधिकारियों की गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए दुर्ग वृत्त के बेमेतरा एवं साजा संभाग के 210 निम्नदाब उपभोक्ताओं से एक दिन में 25 लाख 89 हजार रुपए की वसूली की गई। बकाया भुगतान नहीं करने वाले 376 निम्नदाब उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्षन काट दिये गये।

अधीक्षण अभियंता(षहर वृत्त) तरुण कुमार ठाकुर ने बताया कि दुर्ग षहर वृत्त के तीन संभागों दुर्ग षहर, भिलाई पूर्व एवं भिलाई पश्चिम के अंतर्गत विगत तीन दिनों में 488 निम्नदाब उपभोक्ताओं से 80 लाख 94 हजार रुपए से अधिक की वसूली की गई। बकाया भुगतान नहीं करने वाले 285 निम्नदाब उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्षन काट दिये गये। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता एम.जामुलकर ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि नियत समय पर बिजली बिल का भुगतान करें एवं अप्रिय विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही से बचें। हॉफबिजली बिल योजना के तहत बिजली बिल में दी जा रही छूट का भी लाभ उठावें।

आईटीआई में रोजगार मेले का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिला रोजगार कार्यालय स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र जिला बालोद के द्वारा गुंडरदेही आईटीआई मैं रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें संस्था फायर सेफ्टी डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट आरव एजुकेशनल एंड एंप्लॉयमेंट रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन भिलाई के द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

जिसमें पद का नाम फायरमैन, सिक्योरिटी गार्ड एवं अग्निशमन वाहन चालक हैवी ड्राइवर के पद के लिए भारी संख्या में छात्र उपस्थित हुए, गुंडरदेही आईटीआई के प्राचार्य श्री हेमंत सर को संस्था फायर सेफ्टी डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट डायरेक्टर रवि सोनी जी के द्वारा संस्था का स्मृति चिन्ह के द्वारा सम्मानित किया गया और जानकारी देते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मेलों का अधिक से अधिक शिविर होने चाहिए जिसमें बेरोजगारों युवाओं को रोजगार प्राप्त हो रोजगार मेले में आए सभी छात्रों का आवेदन पत्र जमा किया गया योग्यता के अनुसार चयन उपरांत उनको विभिन्न कंपनियों में कार्य दिया जावेगा जिला रोजगार कार्यालय बालोद के अधिकारी श्री कामदेव मानकर, लवली हुड कॉलेज बालोद से रविकांत साहू फायर सेफ्टी कॉलेज के छात्र दीपक दास मानिकपुरी युवराज और अक्षय कुमार नहीं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया

चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह के तहत बाल अधिकार की दी गई जानकारी

सूरजपुर। जिले में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम के तहत् चाईल्ड लाईन द्वारा बच्चों से जुड़कर उनको बाल अधिकार के संबंध में जानकारी देने के साथ-साथ बच्चों के मुद्दों को विभिन्न समुदाय तक पहुंचाने के उद्देश्य से दोस्ती कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 14 से 20 नवंबर तक चाईल्ड लाईन से दोस्ती सप्ताह बनाया जा रहा है, जिसमें शासकीय विभाग, स्कूल और छात्रावास, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, स्लम एरिया में चाईल्ड लाईन 1098 की जानकारी दी जा रही है। तहत शासकीय कॉलेज रामानुजनगर परिसर में जागरूकता अभियान के साथ खेल प्रतियोगिता आयोजित कराया गया।

खास खबर

राष्ट्रीय प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल हुए 11909 विद्यार्थी

रायपुर। राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत राज्य के विद्यालयों में कक्षा 8वीं में अध्ययनरत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना राज्य के प्रत्येक जिले में 82 मुख्य और 13 उप परीक्षा केन्द्रों में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा आयोजित की गई। इस परीक्षा में गत 12 हजार 582 दर्ज परीक्षार्थियों में से 11 हजार 909 शामिल हुए।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस परीक्षा में चयनित प्रतिभागियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक केन्द्र शासन द्वारा प्रतिमाह एक हजार रूपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस परीक्षा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित, शासकीय अनुदान प्राप्त, स्थानीय निकाय के स्कूलों के कक्षा 8वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी जो 7वीं कक्षा में 55 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति जनजाति के विद्यार्थियों को 50 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। इन विद्यार्थियों के पिता, पालक की वार्षिक सकल आय 3.5 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस परीक्षा में सभी आवेदकों को कक्षा 7वीं की अंक सूची, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रवर्ग के प्रतिभागियों के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र, विद्यार्थी के पिता अथवा पालक, शासकीय या अर्द्धशासकीय कर्मचारियों हो तो उनके सक्षम विभागीय अधिकारी द्वारा जारी वार्षिक आय प्रमाण पत्र का दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

परीक्षा दो प्रश्न पत्र पहला बौद्धिक योग्यता परीक्षण जिसमें प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। यह प्रश्न पत्र कुल 90 प्रश्न का होगा, जिसे 90 मिनट में हल करना है। इसी प्रकार दूसरे प्रश्न पत्र शैक्षणिक योग्यता परीक्षण में प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न का एक अंक निर्धारित है, कुल 90 प्रश्न होंगे, जिसे 90 मिनट में हल करना है।

रायपुर में 21 से 23 नवंबर को प्लेसमेंट कैम्प

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार विवाहित महिलाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 21, 22 एवं 23 नवंबर को रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित है।

इस प्लेसमेंट कैंप में निजी क्षेत्र के नियोजक रिलायंस निप्पोन लाईफ इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड रायपुर द्वारा लाईफप्लानिंग ऑफिसर के 30 पदों पर 30 से 45 वर्ष तक की विवाहित एवं स्नातक उत्तीर्ण महिलाओं की भर्ती 10,000 रूपये वेतन के साथ प्रोविडेंट फंड, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की योजनाओं और इन्सेटिंव की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए 30 से 45 वर्ष की विवाहित महिलाएं इच्छुक एवं योग्य निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पर उपस्थित होकर साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते है।

उद्देश्यों और लक्ष्यों के बिना, जीवन में सफलता नहीं मिलती : राज्यपाल सुश्री उइके

"कलिंगा विश्वविद्यालय" के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुई राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके कलिंगा विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। राज्यपाल ने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले समस्त विद्यार्थियों को, उनकी उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि उद्देश्यों और लक्ष्यों के बिना, जीवन में सफलता नहीं मिलती है। इसलिए उन्होंने जीवन में सफलता के लिए सभी विद्यार्थियों को लक्ष्य तय कर, अच्छे उद्देश्यों के साथ आगे बढ़नें को कहा।

राज्यपाल सुश्री उइके आज नवा रायपुर स्थित कलिंगा विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर, वर्ष 2020, 2021 एवं 2022 के विद्यार्थियों को उपाधि एवं पदक वितरित किए। इस अवसर पर 189 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 218 को पी.एच.डी उपाधि, 1745 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधि एवं 4562 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि सहित कुल 6,525 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बेहतर कार्यान्वयन से अगली पीढ़ी के शैक्षणिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। नई शिक्षा नीति के संबंध में उन्होंने कहा कि यह नीति समानता, गुणवत्ता, और जवाबदेही के मूलभूत सिद्धांतों पर बनाई गई है। इसका उद्देश्य स्कूल और कॉलेज शिक्षा दोनों को ही अधिक समग्र, लचीला, बहु-विषयक और 21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुकूल क्षमताओं को सामने लाना है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारत को एक जीवंत ज्ञान समाज और वैश्विक ज्ञान महाशक्ति में बदलना है। स्थानीय भाषा में शिक्षा देना भी नई शिक्षा नीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा मेडिकल एवं अभियांत्रिकी की पढ़ाई हिंदी में कराए जाने को स्वागत योग्य बताया। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों, शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों का दायित्व है कि इस शिक्षा नीति को धरातल पर उतारें तभी इसका लाभ हमारे छात्रों को मिल सकेगा। उन्होंने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए, उच्च शिक्षा में सुधार के लिए सभी विश्वविद्यालयों को बेहतर तरीके से कार्य करते हुए, अपनी नैक ग्रेडिंग के सुधार के लिए कार्य करना चाहिए।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि दीक्षांत समारोह का दिन जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है। दीक्षांत समारोह को जीवन और सुनहरे भविष्य की एक शानदार सीढ़ी बताते हुए कहा कि जब आप संस्था से बाहर निकलेंगे तो जीवन आपको सीखने का भरपूर अवसर देगा। उन्होंने समस्त विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए गौरव का क्षण है। उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के माध्यम से वैश्विक संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे वैश्विक परिवेश में युवाओं को अनेक आकर्षक अवसर तो प्राप्त हो रहे हैं किन्तु साथ ही वैश्विक चुनौतियां भी मिल रही हैं। इन चुनौतियों का सामना और उसका समाधान करके ही, विद्यार्थी अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करें, विनम्र रहें, उदार बनें तथा निरंतर सीखते रहें। निश्चित रूप से जीवन में सफलता मिलेगी।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि भारत विश्व का एक प्रमुख विकासशील राष्ट्र है। विकास के रास्ते में हमारे सामने ढेरों चुनौतियाँ है। उन चुनौतियों का समाधान हमें मिलजुल कर करना है। उन्होंने कहा कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और चिकित्सा के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा यह स्मरण रखना चाहिए कि उन्होंने अभी तक जो कुछ उपलब्धि अर्जित की है, उसमे समाज का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष योगदान रहा है। इसलिए समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें और समाज व राष्ट्र के कल्याण में अपनी ऊर्जा समर्पित करें। विद्यार्थी, स्वयं को सामाजिक सरोकार से जोड़े, तभी उच्च शिक्षा का वास्तविक लाभ समाज और देश को मिलेगा।

राज्यपाल सुश्री उइके ने राज्य में सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र एवं गरीब बच्चों के लिए अंग्रेजी विद्यालय खोलने एवं भविष्य में आत्मानंद महाविद्यालय खोलने के सरकार के निर्णय के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए, बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल ने कहा कि मानव मूल्यों के विकास के लिए बेहतर शिक्षा को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थाएं हमें एक ऐसा वातावरण देती हैं जिसमें हम विभिन्न समाज और संस्कृति के लोंगों से मिलते हैं। यह सांस्कृतिक आदान प्रदान का बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। इससे विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों का विकास होता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा, राज्य में बेहतर शिक्षा के लिए लिए जा रहे निर्णयों के संबंध में भी बताया।

व्यवहारिक ज्ञान, आचार विचार और संस्कार से ही, व्यक्तित्व का विकास सम्भव

राज्यपाल ने शिक्षकों से आग्रह करते हुए कहा कि बदलती परिस्थितियों के मुताबिक, स्वयं को अपडेट करें और विद्यार्थियों को इसी के अनुरूप शिक्षा दें ताकि वे राष्ट्र और समाज के विकास में अपनी भागीदारी निभा सकें। राज्यपाल ने ज्ञान के विस्तार में अनुसंधान की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने अनुसंधान की सुविधाओं को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बेहतर बनाने एवं विद्यार्थियों में अनुसंधान में रूचि के विकास की आवश्यकता बताई। अनुसंधान विकास के नए रास्ते खोलती है। इसलिए युवा प्रतिभाओं को नयी खोज के लिए प्रेरित करना होगा। राज्यपाल ने शिक्षा के सर्वांगीण विकास पर कहा कि हमारे गौरवशाली मूल्यों को आकार देने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ज्ञान और सूचना तकनीक में समन्वय से हम शैक्षिक विकास की राह को गति प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए शिक्षण संस्थानों को, युवाओं की मूल्यपरक शिक्षा पर जोर देना होगा, जिससे उन्हें अध्यात्म तथा सांस्कृतिक विरासत की मूल्यों से परिचित कराया जा सके। विद्यार्थियों को भारतवर्ष की गौरवशाली संस्कृति-परंपरा एवं ज्ञान से समृध्द करना होगा ताकि युवाओं में मातृभूमि के प्रति प्रेम, बुजुर्गों एवं महिलाओं के प्रति सम्मान, जीवन में ईमानदारी, आत्मसंयम, सहनशीलता और अपने नैतिक दायित्वों को पूरा करने की भावना विकसित हो। साथ ही उन्होंने कहा कि जीवन में व्यावहारिक ज्ञान, अच्छे आचार-विचार एवं संस्कार से ही व्यक्तित्व का विकास संभव है।

अस्पताल में भर्ती के दौरान सामलाल के 4 वर्षीय पुत्र का किया गया समुचित उपचार

रायपुर। सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक जिला अस्पताल नारायणपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार ओरछा विकासखण्ड के कोडोली निवासी सामलाल के 4 वर्षीय पुत्र का अस्पताल में भर्ती के दौरान समुचित उपचार किया गया। इस संबंध में "डॉक्टरों की लापरवाही के चलते 4 साल के आशीष मासूम की गई जान" शीर्षक से छपी खबर भ्रामक एवं असत्य है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नारायणपुर जिला अंतर्गत ओरछा विकासखण्ड के कोडोली निवासी सामलाल के 4 वर्षीय पुत्र को 3-4 दिन से बुखार और बार बार उल्टी हो रहा था। जिसके उपचार हेतु उसके परिजन आज सुबह 11.30 बजे जिला अस्पताल में लाकर भर्ती किए। इलाज के दौरान भी बच्चे को बार-बार उल्टी हो रहा था और तेज बुखार के कारण झटके आ रहा था। बच्चे का उपचार मेडिकल एसओपी के तहत किया गया। बच्चे को तेज बुखार के कारण अचानक झटका आने लगा, जिसे ठीक करने दवाई दी गयी। झटके के कारण उल्टी सांस के नली में जाने के कारण बच्चे की हालत और खराब हो गयी और दिल की धड़कन और सांस रुक गयी। हालत को देखते हुए बच्चे का सीपीआर किया गया एवं जीवन रक्षक दवाईयां दी गयी, किंतु बच्चे को अथक प्रयासों के बाद भी बचाया नहीं जा सका, दोपहर 3.30 को मृत्यु हो गयी।

विश्व धरोहर सप्ताह पर अभिलेखों की चित्र प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी सहित होंगे कई आयोजन

रायपुर। संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह पर अभिलेखों की चित्र प्रदर्शनी और प्रश्नोत्तरी सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विश्व धरोहर सप्ताह 19 से 25 नवंबर 2022 तक मनाया जा रहा है। इस दौरान विभाग द्वारा अपनी विरासतों के प्रति जनजागरूकता के प्रसार और धरोहरों के प्रति जनसामान्य के उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य का बोध कराने के लिये विविध कार्यक्रम होंगे।

संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 19 नवंबर को सुबह 11 बजे महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय स्थित आर्ट गैलरी में शैलचित्रों एवं अभिलेखागार के ऐतिहासिक अभिलेखों की चित्र प्रदर्शनी लगायी जाएगी।

सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लागू कराने के दिए गए निर्देश

सामान्य प्रशासन विभाग ने समस्त कलेक्टर, विभागों को लिखा पत्र

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर कड़ाई से प्रतिबंध लगाने कहा है। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डी.डी. सिंह ने शासन के समस्त विभाग, अध्यक्ष राजस्व मंडल, समस्त संभागायुक्त, समस्त विभागाध्यक्ष और सारे जिले के कलेक्टर को पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 12 अगस्त को 2021 को सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंधित करने की अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके अनुसार प्लास्टिक स्टिक युक्त ईयर बड्स, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक की डंडिया, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आईसक्रीम की डंडिया, पोलीस्टाइरीन (थर्मोकाल) की सजावटी सामग्री और प्लेटें, कप, गिलास, कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे जैसे कटलरी, मिठाई के डिब्बों के इर्द-गिर्द लपेटने या पैक करने वाली फिल्में, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट पैकेट, 100 माइक्रॉन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी बैनर, स्ट्रिर इत्यादि प्लास्टिक सामग्री के विनिर्माण, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर 01 जुलाई 2022 से पूर्णत: प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिंह ने जारी किए गए पत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध के आदेश को प्रभावी पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

नदी-नालों के पुनर्जीवन से बदलने लगी लोगों की तकदीर

नरवा विकास से किसानों के जीवन में आई खुशहाली

मक्का और साग-सब्जी बढ़ा उत्पादन

कावड़गांव में सिंचाई सुविधा बढ़ने से खुले आय के नए रास्ते

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल संरक्षण का व्यापक स्तर पर फायदा पर्यावरण, जैवविविधता के साथ किसानों और आम नागरिकों को मिल सकता है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने प्रदेश में नरवा संरक्षण की पहल की। नई सरकार बनने के साथ आई महत्वाकांक्षी नरवा विकास योजना आज अपनी सार्थकता साबित कर रही है। नदी, नालों के पुनर्जीवन से जहां जल संरक्षण और भू-जल स्तर में वृद्धि हुई है, वहीं नरवा में बने जल संरक्षण संरचनाओं से किसानों की सिंचाई सुविधा में बढ़ोत्तरी हुई है। प्रदेश के सुदूर दक्षिण कोण्डागांव वनमंडल द्वारा बोटी कनेरा उप परिक्षेत्र में किये गये चियोर बहार नरवा विकास कार्य ने क्षेत्र के किसानों की खुशहाली और समृद्धि के द्वार खोल दिये हैं।

कैम्पा मद की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के तहत वनाच्छादित क्षेत्र से निकलने वाले चियोर बहार नाला में नरवा उपचार किया गया है। इसमें वन प्रबन्धन समिति के माध्यम से काकड़गांव के ग्रामीणों ने भी सक्रिय सहभागिता की। नाले के पुनर्जीवन के लिए किए गए योजनाबद्ध कार्यों का लाभ गांव के किसानों को मिला और उन्होंने सिंचाई सुविधा के विस्तार का लाभ लेकर अपनी तकदीर बदल दी। किसान सोमीराम नरवा में बनाए जल संरक्षण संरचना के पास स्थित अपने 2 हेक्टेयर कृषि भूमि पर अब खरीफ में उड़द और रबी में मक्का सहित साग-सब्जी की

पैदावार ले रहे हैं। सोमीराम सिंचाई साधन सुलभ होने से खुश होकर बताते हैं कि पहले वे खेती के लिए बारिश पर निर्भर थे और केवल मक्का की खेती कर पाते थे। लेकिन नरवा से सिंचाई सुविधा मिलने से अब उन्होंने अपने खेत में 3 हार्सपॉवर का विद्युत पंप लगवा लिया है। सिंचाई सुविधा बढ़ने से वे रबी फसल में मक्का के अतिरिक्त भिन्डी, बैंगन, कद्दू, ग्वारफल्ली जैसी साग-सब्जी भी लगा रहे हैं। इससे उनकी आय बढ़ी है और वे क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गये हैं। अब गांव के किसान महेश और फगनू के साथ ही करीब 10 किसानों द्वारा रबी में मक्का एवं सब्जी की खेती की जा रही है। वहीं नरवा में बनी जल संरचनाओं में वन प्रबन्धन समिति द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से मछलीपालन भी शुरू किया गया है ग्रामीणों को अतिरिक्त आय का जरिया मिल गया है। वन प्रबन्धन समिति काकड़गांव के अध्यक्ष विजय नाग ने बताया कि चियोर बहार नरवा विकास कार्यों ने क्षेत्र में हरियाली के साथ किसानों और ग्रामीणों के जीवन में भी खुशहाली ला दी है। डीएफओ आरके जांगड़े ने बताया कि चियोर बहार नाला-2 में 2 करोड़ 45 लाख रूपए की लागत से कुल 40,919 जलसंरक्षण और जल संवर्धन संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। इससे नाले के 7 किलोमीटर परिधि क्षेत्र में 1100 हेक्टयर जल संग्रहण क्षेत्रफल को मद्देनजर रखते हुए 298 लूज बोल्डर चेकडेम, 143 ब्रशवुड चेकडेम, 11 गैबियन संरचना, 35680 कन्टूर ट्रैंच के साथ ही 9 डाइक, तालाब गहरीकरण, परकोलेशन टैंक निर्मित किए गये हैं। जिससे नाले में निर्मित जल संरक्षण संरचनाओं में उपलब्ध पानी का उपयोग सिंचाई के लिए किया जा रहा है। इसके साथ ही इस नाले में निर्मित 15 मीटर लम्बी एवं 60 मीटर ऊंची कांक्रीट डाईक में लगभग 1800 क्यूबिक मीटर जल संग्रहित है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

स्प्लिट्सविला एक्स 4 के बाद

बिग बॉस पर साक्षी द्विवेदी की निगाहें

सोशल मीडिया पर जबरदस्त फॉलोइंग रखने वाली साक्षी द्विवेदी का कहना है कि वह पहले डेटिंग रियलिटी शो स्प्लिट्सविला एक्स 4 में शामिल होने से हिचकिचा रही थीं, लेकिन अब उन्हें खुशी है कि उन्होंने ऐसा किया- और अब वह वास्तव में बिग बॉस में दिखाई देना चाहती है।

साक्षी ने कहा, स्प्लिट्सविला की टीम काफी लंबे समय से मुझसे संपर्क कर रही थी। हालांकि, मैं इसके लिए उत्सुक नहीं थी, क्योंकि मुझे पता नहीं था कि वहां क्या होगा। मुझे लगता है कि मैं लड़ाई में वास्तव में अच्छी नहीं हूं। मैंने इस वजह से कभी स्प्लिट्सविला या किसी भी तरह के रियलिटी शो में आने के बारे में नहीं सोचा था। मैं किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में स्टीरियोटाइप नहीं होना चाहती थी जो सिर्फ रियलिटी शो करता हो। मैं सिर्फ एक अभिनेत्री बनना चाहती हूं। हालांकि, समय बदल गया है, और मैं इस तरह के जोखिम उठाना पसंद करूंगी।

गोवा में शूटिंग के बारे में बात करते हुए साक्षी ने कहा, गोवा में शूटिंग करना अच्छा था, लेकिन यह थका देने वाला था। वहां बिताए 30 दिन आसान नहीं थे। मैं मेकअप आर्टिस्ट से मेकअप करवाती हूं और हेयर स्टाइलिस्ट से बाल कटवाती हूं। मेरे पास ऐसा करने के लिए एक टीम है। वहां यह सब करने वाला कोई नहीं था। मैं यह सब अपने आप कर रही थी। यह एक छात्रावास में रहने जैसा था। यह कठिन था लेकिन मुझे जोखिम उठाना और हर चीज के साथ प्रयोग करना पसंद है।

आगे बढ़ते हुए, साक्षी और भी रियलिटी शो का हिस्सा बनना चाह रही हैं। मैंने अब सभी रियलिटी शो देखना शुरू कर दिया है, निश्चित रूप से मैं बिग बॉस में जाना पसंद करूंगी। हर कोई बिग बॉस देखता है। मैं अपनी दादी को खाना बनाते और बिग बॉस देखते हुए देखती हूं। शो के दर्शक बहुत ज्यादा हैं और मैं निश्चित रूप से इसका हिस्सा बनना पसंद करूंगी।

जान्हवी कपूर का नया अवतार

बोल्ड गाउन में दिखाया परफेक्ट फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं. एक्ट्रेस इन दिनों अपनी फिल्म मिली में की गई दमदार अदाकारी के लिए फैंस की तारीफें बटोर रही हैं। अभिनेत्री अदाकारी के साथ-साथ अपने लुक्स को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। बीते दिन जान्हवी ने ब्लू ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में तस्वीरें डाल इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। हाल ही में जान्हवी कपूर ने जो तस्वीरें पोस्ट की हैं उनमें वो किसी जल परी से कम नहीं लग रही हैं। स्ट्रेपलेस गाउन में शेयर की गई इन तस्वीरों को देखकर आप उनके दीवाने हो जाएंगे। तस्वीरों मो जान्हवी कपूर का लुक और अदाएं अलग ही लेवल की हैं। डीपनेक ड्रेस में अदाएं दिखाती जान्हवी कपूर का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। जान्हवी कपूर हाल ही में एल ब्यूटी अवॉर्ड्स में इस ड्रेस को पहन कर पहुंचीं थीं। फॉर्म फिटिंग वाली इस ब्राइट लाइट ब्लू ड्रेस की तरफ सभी के सिर जान्हवी को देखते ही मुड़ गए। शिमरी सीक्वेंस ऑफ शोल्डर लॉन्ग गाउन में जान्हवी कपूर बेहद बोल्ड और खूबसूरत नजर आईं। इस बॉडीकॉन गाउन में जान्हवी का एकदम परफेक्ट फिगर नजर आ रहा था।

पार्सले को डाइट में करें शामिल मिलेंगे ये 5 प्रमुख फायदे

पार्सले एक तरह का हर्ब है, जो पत्तेदार धनिये की तरह दिखता है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल विदेशी व्यंजनों में किया जाता है। यह हर्ब फाइबर, विटामिन- ए, विटामिन- सी, विटामिन- के, फोलिक एसिड, पोटेशियम, फ्लेवोनोइड्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण और कैरोटेनॉयड्स नामक एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। यही कारण है कि इस हर्ब को डाइट में शामिल करना लाभदायक हो सकता है। आइए आज हम आपको पार्सले का सेवन करने से मिलने वाले पांच प्रमुख फायदों के बारे में बताते हैं।

ब्लड शुगर को कर सकता है नियंत्रित

अगर आपका ब्लड शुगर अक्सर हाई रहता है तो पार्सले का सेवन इसे नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। पार्सले में मिरिस्टिसिन नामक एक एंटी-ऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा मौजूद होती है, जो ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। यह इंसुलिन और सूजन को भी कम कर सकता है। इस आधार पर मधुमेह रोगियों के लिए अपनी डाइट में पार्सले को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

कैंसर से सुरक्षित रखने में है सहायक

कई अध्ययनों के मुताबिक, पार्सले में मौजूद एंटी-कैंसर प्रभाव कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। इसके अतिरिक्त इसमें ल्यूटिन नामक पोषक तत्व पाया जाता है जो एक कारगर एंटी-ऑक्सीडेंट है। यह एंटीऑक्सीडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स को बेअसर कर स्तन कैंसर समेत कई तरह के कैंसर को पनपने से रोकने में मदद कर सकता है। इसके लिए अपनी डाइट में पार्सले को शामिल करें।

हृदय के लिए है लाभदायक

पार्सले में कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर समेत हाई कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके हृदय रोग से सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार, पार्सले में फोलेट, विटामिन- ए और विटामिन- के होमोसिस्टीन के निर्माण को रोकता है। होमोसिस्टीन एक यौगिक है, जो धमनियों की परत को नुकसान पहुंचा सकता है और कई हृदय संबंधित समस्याओं की वजह बन सकता है।

पाचन के लिए है बढ़िया

पार्सले का सेवन पाचन क्रिया के लिए भी लाभदायक हो सकता है। यह हर्ब पाचन और गैस्ट्रोएन्टराइटिस से जुड़े विकारों के इलाज में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें उच्च फाइबर मौजूद होता है। इसके अतिरिक्त यह पेट की ऐंठन, दर्द, दस्त, सूजन और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है। यह स्वास्थ्यवर्धक हर्ब आंतों की मांसपेशियों को आराम देने में भी मदद कर सकती है, जिससे उचित पाचन को बढ़ावा मिलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकती है बढ़ावा

पार्सले में मौजूद जरूरी विटामिन्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में काफी मदद कर सकते हैं। इसमें सेलेनियम और विटामिन- सी की उच्च मात्रा पाई जाती है, जो टी-कोशिकाओं के उत्पादन को उत्तेजित करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। यह विटामिन ऊर्जा मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ावा दे सकता है। इसके अलावा यह हर्ब वजन घटाने में भी सहायक साबित हो सकती है।

रणदीप हुड्डा की क्राइम ड्रामा कैट 9 दिसंबर को होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा की आगामी क्राइम ड्रामा सीरीज कैट शीर्षक से 9 दिसंबर को विशाल नेटफिक्स स्ट्रीमिंग पर प्रीमियर के लिए तैयार है। सीरीज, जो निर्माता और श्रोता बलविंदर सिंह जंजुआ से आती है, एक्सट्रैक्शन के बाद रणदीप के नेटफिक्स के साथ दूसरे सहयोग को चिह्नित करती है, जो 2020 में रिलीज हुई थी। रणदीप और नेटफ्लिक्स ने घोषणा करने के लिए अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया।

कैट गुरनाम सिंह की कहानी है, जो अपने भाई की जान बचाने की कोशिश में अपने काले अतीत का सामना करने के लिए मजबूर होता है। एक बार कैट ङ्क एक युवा लड़के के रूप में पुलिस के लिए मुखबिर होने के बाद, गुरनाम खुद को एक पुलिस मुखबिर के रूप में, भ्रष्टाचार और अपराध के अस्थिर अंडरबेली में, धोखे के जाल को खोलते हुए पाता है।

बलविंदर सिंह जंजुआ द्वारा निर्मित और जेली बीन एंटरटेनमेंट के सहयोग से मूवी टनल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, कैट 9 दिसंबर, 2022 को रिलीज होगी।

रणदीप हुड्डा के साथ, श्रृंखला में सुविंदर विक्की, हसलीन कौर, गीता अग्रवाल, दक्ष अजीत सिंह, सुखविंदर चहल, के.पी. सिंह, काव्या थापर, दानिश सूद और प्रमोद पत्थल सहित अन्य।

Hero
Authorised Dealer
KGN HERO
9907999822, 7974074371
Junwani Road, Near By Falaknuma Masjid, Kohka, Bhilai, E-Mail:kgnhero06@gmail.com

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

महामारी नियंत्रण के लिए पुख्ता उपाय सुनिश्चित करें - कलेक्टर

दल्लीराजहरा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि जिले में किसी भी प्रकार की महामारी के नियंत्रण हेतु महामारी के फैलने के पूर्व ही कार्ययोजना बनाकर इसकी रोकथाम की पुख्ता उपाय सुनिश्चित किया जाए। जिससे की जिले में किसी प्रकार की महामारी के प्रसार को रोका जा सके। कलेक्टर शर्मा 17 नवंबर को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मातृ मृत्यु दर पर शत प्रतिशत रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु शिशुवती माताओं के मृत्यु होने की स्थिति में सभी प्रकरणों का अनिवार्य रूप से आडिट कराने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में एस.डी.एम.बालोद श्रीमती शीतल बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय सहित समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी मौजूद थे।

कार्य में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर ने उपअभियंता को किया निलंबित

राजनांदगांव। कलेक्टर जिला राजनादगांव ने अपने पत्र क्रमांक 8556/ वित्त स्था. / 2022 दिनांक 11.11.2022 के द्वारा सुश्री किरण रामटेके, उपअभियंता, जल संसाधन, लघु उप संभाग राजनांदगांव के द्वारा डोंगरगाव विकासखंड के अंतर्गत मटियादरी एनीकट का सुचारू रूप से संचालन नहीं किये जाने के कारण उनको निलंबित कर दिया है। कलेक्टर, जिला- राजनांदगांव से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर सुश्री किरण रामटेके, उपअभियंता, जल संसाधन, लघु उप संभाग राजनांदगांव के द्वारा अपने पदीय कर्तव्यो में लापरवाही के कारण ग्राम मटिया के 20 कृषको की फसल को छति पहुंची तथा उनका कृत्य छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विपरित होने से उनको छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन, संभाग, राजनांदगांव नियत किया जाता है। निलंबन काल में मूलभूत नियम 53 के नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

मुख्यमंत्री ने पैरादान करने वाले किसानों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिले के विभिन्न विधानसभा में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कृषकों एवं आम जनता को पराली जलाने से पर्यावरण में होने वाले दुष्प्रभाव के बारें में जानकारी दी। उन्होंने कृषकों से अपील करते हुए का कि किसान गौठानों में पशुओं के चारे के लिए पैरा को जलाने के बजाय पैरा का दान करें।

जिससे धरती की उपजाऊ क्षमता को बचाया जा सकेगा। साथ ही पशुओं के लिए भोजन की व्यवस्था हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने गौठानों में वृहद पैमाने पर पैरादान के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने कृषि विभाग, पशुपालन विभाग एवं ग्राम सचिवों को कहा। मुख्यमंत्री बघेल ने बताया कि दिल्ली, हरियाणा व पंजाब राज्य में पराली जलाने से उत्पन्न जहरीली गैस से वहां के स्थानीय नागरिकों में विभिन्न प्रकार की बीमारियां देखने को मिल रही है। मुख्यमंत्री बघेल ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम घुमका के कृषक नोहेन्द्र सिन्हा एवं नवीन लुनिया ने घुमका राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम घुमका के लोहेन्द्र सिन्हा, नवीन लुनीया, डोंगरगढ़ विकासखंड के बेलगांव के भुपेन्द्र लिलहारे, ग्राम कोलिहापुरी के जगदेव राम वर्मा, छुरिया विकासखंड के ग्राम बोईरडीह से पुर्णिमा पाल, चन्दूलाल साहू, मनसुख राम साहू, भग्गू राम गोड़, ग्राम होलेकसा से तुलाराम साहू एवं ग्राम कल्लूटोला से मानसिंग यादव को दो- दो ट्राली पैरादान करने के लिए साल भेंट कर सम्मानित किया। कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में जिले में पैरादान के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिले में पराली जलाने की प्रथा को तोडने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे है। उप संचालक कृषि जीएस धुर्वे ने बताया गया कि पराली जलाने से गैसों से श्वास लेने की समस्या, आंखों में जलन व गले की समस्या प्रमुख है। साथ ही मृदा में कार्बनिक पदार्थ की क्षति, जमीन में पाये जाने वाले लाभकारी सूक्ष्म जीवाणुओं का सफाया तथा मुख्य एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होती है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने की समस्या के रोकथाम के लिए जिले के हार्वेस्टर मालिकों की बैठक आयोजित कर हार्वेस्टर से कटाई करने वाले कृषकों की सूची तैयार करने के निर्देश दिया गया है। जिससे हार्वेस्टर की कटाई के बाद पैरादान के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा सके तथा धान के टूठ को वेस्टडिकंपोजर के माध्यम से गलाकर खेतों में जैविक खाद बनाने के लिए प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में परिवार नियोजन नेतृत्व में उत्कृष्टता पुरस्कार-2022 जीता

भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसे 'कंट्री श्रेणी' में यह पुरस्कार प्राप्त हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। यह पुरस्कार आधुनिक गर्भनिरोधक तरीकों तक पहुंच को बेहतर बनाने तथा उन्हें अपनाने के कार्य को सुनिश्चित करने के साथ-साथ परिवार नियोजन की अपूर्ण आवश्यकता को महत्वपूर्ण रूप से पूरा करने में भारत की उपलब्धियों को मान्यता देता है और उनकी सराहना करता है आधुनिक परिवार नियोजन तरीकों तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए देश के प्रयासों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति और मान्यता के रूप में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है।

जिसने थाईलैंड के पटाया शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय परिवार नियोजन सम्मेलन में 'कंट्री श्रेणी' में परिवार नियोजन नेतृत्व में उत्कृष्टता (ईएएक्ससीईएलएल) पुरस्कार-2022 हासिल किया है। परिवार नियोजन में सुधार के लिए भारत के उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना करते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए एक ट्वीट में कहा: भारत ने @ICFP2022 द्वारा प्रतिष्ठित ईएक्ससीईएलएल पुरस्कार- परिवार नियोजन में नेतृत्व हासिल किया है। यह पुरस्कार सही जानकारी और विश्वसनीय सेवाओं पर आधारित गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन विकल्पों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत के प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है। भारत ने न केवल पहुंच को बेहतर बनाने बल्कि आधुनिक गर्भनिरोधक तरीकों को अपनाने में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिससे दंपतियों को परिवार नियोजन के बारे में सूचित किए गए विकल्प को अपनाने में मदद मिली है। यह बात राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 आंकड़े में परिलक्षित होती है।

एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के अनुसार एनएफएचएस-4 की तुलना में देश में समग्र गर्भनिरोधक व्यापकता दर (सीपीआर) बढ़कर 54 प्रतिशत से 67 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, परिवार नियोजन की अपूरित जरूरतें घटकर 13 प्रतिशत से 9 प्रतिशत हो गई हैं। अंतराल में अपूरित आवश्यकता घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। भारत में अभी हाल में 15-49 आयु वर्ग की वर्तमान में विवाहित महिलाओं में परिवार नियोजन के लिए कुल 'डिमांड सैटिस्फाइड' जो 2015-16 में 66 प्रतिशत थी, बढ़कर 2019-21 में 76 प्रतिशत हो गई। जिसने 2030 के लिए वैश्विक स्तर पर निर्धारित 75 के एसडीजी लक्ष्य को पहले ही पार कर लिया है। सरकार का आधुनिक गर्भ निरोधकों तक आसान और सस्ती पहुंच को बेहतर बनाने पर ध्यान देना इस तथ्य में परिलक्षित होता है कि एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के अनुसार, 68 प्रतिशत आधुनिक गर्भनिरोधक तरीके अपनाने वाले ऐसे तरीके सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र से ही प्राप्त कर रहे हैं। परिवार नियोजन में अपूरित जरूरतों को कम करने के लिए सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक मिशन परिवार विकास भी इस समग्र सुधार में एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। परिवार नियोजन को बेहतर बनाने के लिए भारत के प्रयास महिलाओं और मातृ स्वास्थ्य पर एसडीजी लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में देश में हुई प्रगति को दर्शाते हैं।

खालेमुरवेंड उ.मा. विद्यालय पहुंचे विधायक संतराम नेताम

बच्चों से मुलाकात कर जाना हाल, शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने शिक्षकों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। केशकाल विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संतराम नेताम गुरुवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खालेमुरवेंड स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विधायक पहुंचे थे। जहां उन्होंने स्कूली बच्चों से मिलकर उनका हाल जाना। साथ ही शिक्षक-शिक्षिकाओं से मिल कर शैक्षा क व्यवस्था के बारे में जानकारी लेते हुए शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने से सम्बंधित आवश्यक निर्देश दिए। वहीं स्कूल के कक्षाओं में जाकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर समस्याओं के बारे में जानकारी लिया।

छात्र जीवन मे अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण है : विधायक संतराम नेताम ने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि छात्र जीवन मे अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण होता है। यदि आप अनुशासन में रहते हुए पूरी मेहनत और लगन के साथ पढाई करेंगे तो एक न एक दिन आपको सफलता जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि जो बच्चे पढाई के साथ साथ खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसी गतिविधियों में भी भाग लेते हैं उनका बौद्धिक, शारिरिक व मानसिक रूप से बेहतर विकास होता है।

बच्चों को प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलना चाहिए: विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओ से बातचीत के दौरान विधायक संतराम ने कहा कि बस्तर क्षेत्र के बच्चे बहुत प्रतिभाशाली हैं, यदि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उचित मार्गदर्शन मिलेगा तो आने वाले समय मे बस्तर के बच्चे विधायक, सांसद के साथ साथ कलेक्टर, एसपी, डॉक्टर व इंजीनियर समेत उच्च पदों पर आसीन होंगे।

धूम्रपान मुक्त बीजापुर के लिए प्रयास हुए तेज

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत हुई चालानी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले को स्मोक फ्री बनाने हेतु प्रवर्तन दल द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज की परिधि में तम्बाकू उत्पाद बेंचने पर सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम, 2003, (कोटपा) अंतर्गत कार्रवाई की गई।

इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. चेलापत्ति राव ने बताया, बीजापुर जिले को धूम्रपान मुक्त किये जाने के उद्देश्य से मुख्यालय स्थित दुकानों में कोटपा एक्ट के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर धारा 4 एवं 6 के अंतर्गत जिसमें दुकान मालिक द्वारा चेतावनी चिन्ह का बोर्ड ना लगाने तथा दुकान पर धूम्रपान करने हेतु प्रोत्साहन करने वाली सामग्री जैसे- माचिस, एस्ट्रे एवं लाइटर सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध कराने के लिए 12 चालान करते हुए 2,250 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। साथ ही लोगों को इस संबंध में जानकारी दी गयी कि दुकानों या सार्वजिनक स्थानों पर किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद, पान मसाला कंपनियों के विज्ञापन से जुड़े पोस्टर,पंपलेट, ब्रोशर एवं अन्य विज्ञापन सामग्री जो तंबाकू कंपनी द्वारा प्रदान की जाती है, वह विक्रय केंद्र में प्रदर्शित करना प्रतिबंधित है। इसका उल्लंघन किए जाने पर 1 वर्ष से 5 वर्ष तक की कैद व 1,000 से 5,000 रूपए तक का जुर्माना या दोनों ही किया जा सकता है।

इस बारे में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक सन्दीप ताम्रकर ने बताया: सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करना या तंबाकू उत्पादों की खरीद-बिक्री करना प्रतिबंधित है। संस्थान के मालिक व प्रबंधक द्वारा अधिनियम के तहत निर्धारित माप के धूम्रपान निषेध क्षेत्र का बोर्ड भी लगाया जाना भी अनिवार्य है। इसके उल्लंघन होने पर चालान किया जा सकता है। यह जानकारी होने के बावजूद भी सार्वजनिक स्थान के संचालक एवं प्रबंधक द्वारा किसी प्रकार का बोर्ड दुकान या संस्थान पर नहीं लगाया जा रहा है एवं धूम्रपान को प्रोत्साहित की जाने वाली सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन भी प्रतिबंधित है। इसे देखते हुए ही कानूनों का पालन कराए जाने के लिए विशेष गठित दल द्वारा औचक निरीक्षण और चालानी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में उपरोक्त कार्रवाई भी की गई।

उक्त कार्यवाही कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा के निर्देशन पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुनील भारती एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकर के मार्गदर्शन में की गई।

चालानी कार्यवाही के दौरान जिला नोडल अधिकारी डॉ चेलापत्ति राव, सम्भागीय सलाहकार प्रकाश श्रीवास्तव, जिला लेखा प्रबंधक चितरेंग चंद्राकर एवं पुलिस विभाग से अशोक कुंजाम एवं गनपत सोरी उपस्थित थे। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बीजापुर शशिकांत भारद्वाज का सहयोग प्राप्त हुआ।

स्कूल बसों की परिवहन एवं यातायात पुलिस ने की आकस्मिक जांच

जांच में 08 गाड़ियों 7600 रुपयों का किया गया चालान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस के द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर केशकाल में स्कूल बसों की आकस्मिक जांच की गई। जांच में गिरिदीप पब्लिक स्कूल केशकाल की स्कूल बसों की सुरक्षा मानकों के तहत निरीक्षण किया गया। जांच में पाई गई ख़ामियों को देखते हुए 08 गाड़ियों पर 7600 रुपयों का चालान किया गया एवं स्कूल प्रबंधन को तत्काल ख़ामियों ठीक करने हेतु निर्देशित भी किया गया। इस दौरान जिला परिवहन अधिकारी गौरव साहू, ट्रैफिक प्रभारी रोहित बंजारे, परिवहन आरक्षक भावना गावड़े, प्रधान आरक्षक हरीश चंद्र नेताम, आरक्षक विकास पांडेय, आरक्षक राजेंद्र मरकाम उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि इसी प्रकार पूर्व में चांवरा पब्लिक स्कूल एवं आदेश्वर पब्लिक स्कूल के भी स्कूल बसों की जांच की गई थी। जिसमें 12 स्कूल बसों पर 22500 रुपयों का चालान किया गया था।

!! न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-1, (छ.ग.) !!

उद्घोषणा

ई0 कोर्ट क्रमांक / /अ-6 / वर्ष 2022-23

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका क्रेता :- श्रीमती विमला मिश्रा पति श्री पवन कुमार मिश्रा जाति ब्राम्हण निवासी- सेक्टर-6, सिविक सेंटर भिलाई तह0 व जिला दुर्ग (छ0ग0) के द्वारा ग्राम पुरई प.ह.नं. 40 रा.नि. मं. उतई तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 437/1 का टुकड़ा रकबा 1800 वर्गफीट लगान अभिलेख अनुसार भूमि विक्रेता महालक्ष्मी बिल्कॉन पार्टनर, जितेन्द्र कुमार पिता श्री चन्दूलाल व अन्य पता- रिसाली भिलाई से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 27/06/2022 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रामाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25/11/2022 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं । समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 11/11/2022 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
दुर्ग

मुहर

संगीतमय सुन्दर कांड का पाठ से गूंजा सांसद निवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत के शासकीय निवास में पं. शिवराज शर्मा द्वारा संगीतमय सुन्दर कांड का पाठ किया गया जिसमें विधानसभा अध्यक्ष, आयोग के अध्यक्ष सहित जिले के विधायकों के अलावा शामिल सैकड़ों लोगों ने पुण्य लाभ अर्जित किया।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना महंत के निवास में आयोजित सुंदरकांड पाठ में शामिल होकर स्पीकर डॉ. चरणदास महंत, पुत्र सूरज महंत एवं पारिवारिक सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संगीतमय सुंदरकांड का पाठ पंडित शिवराज शर्मा एवं उनकी टीम में शामिल चंद्रकुमार शर्मा, उत्तम पाठक, विश्वेश शर्मा, सहदेव सिंह, कृष्ण कुमार पटेल एवं किशन कुमार के सहयोग से गरिमापूर्ण माहौल में आयोजित हुआ। इस अवसर पर राज्य गौसेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, विधायक पुरुषोत्तम कंवर, मोहित राम केरकेट्टा, महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्यामसुन्दर सोनी, पूर्व महापौर रेणु अग्रवाल, गौ सेवा आयोग के सदस्य प्रशांत मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, सांसद प्रतिनिधि हरीश परसाई, किरण चौरसिया, अजीत दास महंत, जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, अभिषेक बाजपेयी, सुनील जैन, राजेन्द्र तिवारी, अरूण शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

आधी रात ट्रांसपोर्टर की पीट-पीटकर हत्या, शव ट्रक के नीचे फेंककर भागे हत्यार

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई इलाके में आधी रात को एक ट्रांसपोर्टर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्यारे शव को ट्रक के नीचे फेंककर भाग गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुछ संदेहियों से पूछताछ भी शुरू कर दी गई है।

मनेंद्रगढ़ का रहने वाला था मृतक

पुलिस के मुताबिक मनेंद्रगढ़ निवासी ट्रांसपोर्टर वीरेंद्र सिंह की ट्रक रायपुर में भी चलती है। ट्रांसपोर्ट नगर में उसकी ट्रकें खड़ी होती है। वह बीच-बीच में ट्रकों के बारे में जानकारी लेने रायपुर आता-जाता था। बुधवार की रात भी वह रायपुर पहुंचा था और ट्रांसपोर्ट नगर में ठहरा था। गुरुवार देर रात ट्रांसपोर्ट नगर में अज्ञात लोगों ने उस पर हमला कर दिया और भारी औजार से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। सुबह शव देखकर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

सीएसपी उरला राजीव शर्मा ने बताया कि मृतक के शरीर में चोट के निशान हैं। सिर व अन्य स्थानों पर भी चोट पाए गए हैं। मामले की जांच चल रही है। कुछ संदेहियों से पूछताछ की जा रही है। इसके बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

बिलासपुर में नहर किनारे मिली युवती का शव, हत्या की आशंका

बिलासपुर (ए)। सरकंडा क्षेत्र के गीतांजली सिटी में नहर किनारे युवती को शव मिला है। मरने वाली युवती की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। आसपास के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है। इसके अलावा शव की तस्वीर आसपास के थानों में भेजकर मरने वाली की पहचान की जा रही है। उसकी पहचान के बाद मामले की जांच आगे बढ़ेगी। सरकंडा थाना प्रभारी उत्तम साहू ने बताया कि शनिवार की सुबह खमतराई स्थित गीतांजली सिटी और शर्मा विहार के बीच नहर किनारे युवती का शव मिला है। इसकी सूचना पर पहुंची पुलिस युवती की पहचान करा रही है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है। उसके पास कोई सामान भी नहीं है। शव की तस्वीर आसपास के थानों में भेजकर गुमशुदा महिलाओं और युवतियों की जानकारी जुटाई जा रही है। शव का पीएम कराने तैयारी की जा रही है। इससे युवती की मौत का कारण स्पष्ट होगा।

बिलासपुर में मवेशियों का बीमा कराने के नाम पर पशु चिकित्सक ने की धोखाधड़ी

बिलासपुर (ए)। पशु चिकित्सा विभाग में पदस्थ सहायक शल्यज्ञ ने मवेशियों के बीमा के नाम पर महिला से 37 हजार रुपये ले लिए। रुपये मिलने के बाद उन्होंने महिला को फर्जी बीमा कव्हर दे दिया। दो मवेशियों की मौत के बाद महिला ने बीमा क्लेम किया। बीमा कंपनी ने मवेशियों का बीमा नहीं होने की बात कहते हुए उनके आवेदन को निरस्त कर दिया। महिला की शिकायत पर विभागीय जांच में डाक्टर को दोषी पाया गया। इसके आधार पर महिला ने सिविल लाइन थाने में शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सिविल लाइन क्षेत्र के गुलमोहर कालोनी में रहने वाली किरण सिंह ने धोखाधड़ी की शिकायत की है। महिला ने बताया कि डेयरी उद्यमिता योजना के तहत बैंक से लोन लेकर 10 गायें खरीदी थीं। उन्होंने गायों के बीमा के लिए पशु चिकित्सा विभाग में पदस्थ सहायक शल्यज्ञ डा. बीपी सोनी को 37 हजार रुपये दिए। रुपये मिलने के बाद डाक्टर ने 29 हजार 266 रुपये का बीमा कव्हर नोट प्रदान किया। कुछ दिन बाद उनकी दो गायें बीमार हो गई। गाय के उपचार के लिए उन्होंने डाक्टर को फोन किया।

बच्चों का क्लासमेट बताकर बुजुर्ग दंपती से सवा करोड़ की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ग्रीन बीटल रेसिडेन्स दीपक नगर में रहने वाले बुजुर्ग दंपती से 1 करोड 20 लाख 99 हजार 93 रुपए की ठगी के आरोपी गिरफ्तार हो गए है। दो माह पहले बुजुर्ग दंपती ने इसकी शिकायत मोहन नगर थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत दर्ज होने के बाद मोहन नगर पुलिस ने एंटी साइबर व क्राइम यूनिट की सहायता से आरोपियों को दबोचने में सफलता मिली है।

बता दें प्रार्थी अभय गावडे ने मोहन नगर ने में 19 सितंबर 2022 को शिकायत दर्ज कराई थी। शषि यादव एवं प्रदीप यादव नाम दो लोगों ने बच्चों का क्लासमेट होने का भरोसा दिलाकर घर में आना जाना शुरू किया। भरोसे में लेकर अलग अलग कारण बताते हुए कई बार रुपए लिए। इस तरह से दोनों ने कुल 1,20,99,093 रुपए ले लिए। धोखे में रखकर दोनों ने बुजुर्ग दंपती से ठगी की। शिकायत के बाद दोनों के खिलाफ धारा 120 बी, 34, 420 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गए थे। लगातार पता बदल-बदलकर छिप रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के ट्रांजेक्शन चेक किया और लगातार दोनों की पतासाजी करती रही। पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी दुर्ग में हैं इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार किया। दोनो ने बुजुर्ग दंपती से ठगी करने की बात स्वीकारी है। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों पर कार्रवाई की है। आरोपियों की निशान देही पर 3 नग एटीएम कार्ड, 1 मोबाईल, पेन कार्ड, एटीएम एवं पासबुक बरामद किया गया।

सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकराई बुलेरो

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में शुक्रवार दोपहर को लाखोली के पास बड़ा हादसा हो गया। यहां पर सड़क किनारे खड़ी ट्रक से बुलेरो बुरी तरह से टकरा गई। हादसे के बाद आसपास के लोगो की भीड़ जमा हो गया। ट्रक के पिछले हिस्से में बुलेरो बुरी तरह फंस गई। मौके पहुंचे लोगों ने बड़ी मुश्किल से चालक को बाहर निकाला और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार लाखोली के पास नेशनल हाइवे के किनारे वेस्ट बंगाल पासिंग ट्रक क्रमांक WB 23, E 4657 का चालक पार्क किया हुआ था। इस दौरान पीछे से तेज रफ्तार बुलेरो क्रमांक OD 17, 5872 ने ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बुलेरों बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही है कि हादसे में चालक सिर्फ घायल हुआ जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बुलेरो चालक को अचानक चक्कर आया और यह हादसा हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई

महादेव आईडी दिल्ली की शाखा में काम करने वाले 16 सटोरी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑनलाइन सट्टा एप महादेव आईडी के सटोरियों पर दुर्ग पुलिस लगातार सिकंजा कसते जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महादेव आईडी की साकेत नगर दिल्ली की दो शाखाओं में काम करने वाले 16 लोगों को पकड़ा है। इन सटोरियों के पास से पुलिस ने 6 लैपटॉप और 31 मोबाइल बरामद किया है। सभी के खिलाफ वैधनिक कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली से पकड़े गए सटोरियों में पहली शाखा से चिखली निवासी रवींद्र सिंह, सुपेला निवासी आनंद ठाकुर, खुर्सीपार निवासी राहुल मांझी, गेट हकीमा अमृतसर पंजाब निवासी महावीर सिंह, सोमनी राजनांदगांव निवासी करण धनखड़ पकड़े गए। इसी प्रकार दूसरी शाखा से सेक्टर-4 निवासी नरेंद्र सिंह गिल, सेक्टर -11 खुर्सीपार से सर्वजीत सिंह, लक्ष्मीनगर सुपेला निवासी चंद्रभूषण साहू, जोन-1 खुर्सीपार निवासी आकाश चौधरी, सेक्टर-4 निवासी नवीन कुमार बंजारे, सेक्टर -4 निवासी मोनिश सोनवानी, फरीद नगर सुपेला निवासी मो.गुलरेज, शास्त्री नगर निवासी जयंत सेन, रिसाली निवासी अभिषेक साहू, सुपेला निवासी मोहम्मद सोहेल खान व सुपेला निवासी रोशन सिंह शामिल हैं।

झाड़-फूंक के नाम पर 1.50 लाख की ठगी

महिला के उतरवाए कपड़े, पति के कनपटी पर बंदूक तानकर मांगे 5 लाख

राजनांदगांव। झाड़-फूंक के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक गिरोह का राजनांदगांव पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक पति-पत्नी से करीब डेढ़ लाख रुपए ठग लिए थे। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर पूरे मामले का खुलासा किया। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी को पिछले कुछ समय से पैर में तकलीफ थी। जिसका कई जगह ईलाज कराने के बाद भी कोई आराम नहीं मिला था। प्रार्थी के जान पहचान वाले द्वारा बताया गया कि राजनांदगांव निवासी ज्ञानु सिंग आयुर्वेदिक दवाई देता है। बैद ज्ञानु सिंह प्रार्थी के घर आया और ईलाज के लिए बस्तर से एक बड़े वैद्यराज का हवाला देकर प्रार्थी से फोन पे के माध्यम से 5000 रुपए ले लिया। इसके बाद फिर 1 हजार रुपए लिया गया। फिर 20 हजार रुपए फोन पे से फिर लिया गया।

इन आरोपियों के खिलाफ की गई कार्रवाई

मामले में पुलिस ने आरोपी राजेश गोड पिता खन्ना, खन्ना ठाकूर पिता करींगा दोनो निवासी ग्राम टेडेसरा थाना सोमनी, तारकेश्वर राजपूत पिता रमेश निवासी ग्राम टेका हरदी चौकी तुमडीबोड, सूरज वर्मा पिता तेजलाल निवासी डोंगरगढ, संतकुमार पारधी पिता रूमसिंह निवासी ग्राम बोईरडीह पुलिस चौकी चिखली, चांदनी पारधी पिता संतोष निवासी ग्राम बोईरडीह, ज्ञानुसिंग पिता पृथ्वीराज निवासी ग्राम बोरी,विनोद निषाद पिता रात कुमार निवासी राजीव नगर दुर्ग और राजेन्द्र गोड पिता पाउसिंग निवासी ग्राम बोरी को गिरफ्तार कर लिया है।

किसान से घूस लेते वायरल वीडियो देखकर एक्शन में आए कलेक्टर, रिश्वतखोर पटवारी को किया सस्पेंड

कवर्धा। किसान से रिश्वत मांगने वाले एक पटवारी को कबीरधाम कलेक्टर ने सस्पेंड कर दिया है। पटवारी का रिश्वत मांगते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। पीड़ित किसान ने इस मामले की शिकायत भी की थी। जिसके बाद यह गुरुवार को यह कार्रवाई की गई है। कलेक्टर ने यह भी कहा कि भ्रष्ट लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों की यही सजा है। इधर पटवारी का निलंबन आदेश जारी होते ही राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है।

वीडियो हो गया था वायरल

मिली जानकारी के अनुसार मामला जिले के सहसपुर लोहारा तहसील के ग्राम गोछिया पटवारी हल्का नंबर 35 का है। यहां के पटवारी राजेश कुमार शर्मा ने एक किसान से रिश्वत लिया था। जिसका वीडियो वायरल हुआ। इस पर कलेक्टर जनमेजय महोबे के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी(एसडीएम) सहसपुर लोहारा लेखा अजगल्ले ने तहसील सहसपुर लोहारा के ग्राम गोछिया पटवारी पहनं 35 राजेश कुमार शर्मा को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

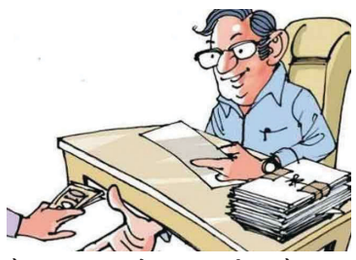

एसडीएम से जारी आदेश में बताया कि पटवारी द्वारा रुपए लेने का मामला प्रथम दृष्टया गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है। जो कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 व 3क के विपरित होने के कारण पटवारी शर्मा के विरूद्ध छत्तीसगढ़ सिविल सेवा(वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित करने का निर्णय लिया गया।

नशीली टैबलेट के साथ तीन गिरफ्तार

रायपुर। नशीले दवाओं की बिक्री के खिलाफअभियान के तहत रायपुर पुलिस ने एक लाख रुपये मूल्य के नशीली टैबलेट जप्त की और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान शेख अनवर, मो. सरफराज और संजय बनवा के रूप में की है। पुलिस ने मुखबिर की सुचना पर शेख अनवर को राजधानी के कबीर नगर क्षेत्र से नशीली टेबलेट बिक्री करने कि फिराक में ग्राहक की तलाश करते हुए पकड़ा। आरोपी ने अपना जुर्म काबुल करते हुए अपने दो और साथियों मो. सरफराज और संजय बनवा का नाम लिया जिसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार किया गया।

आत्महत्या करने शिवनाथ नदी पहुंची थी महिला पुलिस कर्मियों ने बचाकर सकुशल परिवार को सौंपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शिवनाथ नदी में आत्महत्या के इरादे से पहुंची महिला को अंजोरा चीती वन के आरक्षकों ने बचाया। महिला अपने ससुराल व मायके वालों से परेशान होकर आत्महत्या करने पहुंची थी इससे पहले की पुलिस की टीम पहुंच गई और महिला को ऐसा करने से रोका। आरक्षकों ने महिला से पूछताछ के बाद उसे सकुशल उसके घर पहुंचाया।

मिली जानकारी के अनुसार अंजोरा पुलिस को जानकारी मिली कि शिवनाथ नदी के किनारे आत्महत्या करने की नीयत से से खड़ी है। इसके बाद अंजोरा चीता वन आरक्षक सुनील ठाकुर, चालक हेमंत साहू शिवनाथ नदी पहुंचकर महिला को मौके से समझा बुझाकर गाड़ी में बिठाया। महिला ने अपना नाम रश्मि राजपूत पति गगन सिंह राजपूत (32) बताया। महिला सोमनी जिला राजनांदगांव की रहने वाली है। पूछताछ में महिला ने बताया कि ससुराल और मायके वालों से परेशान होकर घर से निकली। इसके बाद पुलिस ने महिला के मायके वालों से बात कर सुरक्षित उसे उसके घर उसकी मां को सौंपा।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

श्री कृष्ण जन्म पर श्रद्धालु झूम उठे

भिलाई। नेहरू नगर कालीबाड़ी में आयोजित श्रीमद भागवत कथा सप्ताह में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया. व्यासपीठ आचार्य जुगल किशोर द्विवेदी के सानिध्य में भगवान श्री कृष्ण की जन्म की कथा का जीवंत प्रस्तुतीकरण किया गया. कथा के दौरान जैसे ही भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ तो पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा. इस दौरान श्रद्धालु झूमने-नाचने लगे. भगवान श्रीकृष्ण की वेश में नन्हें बालक ने दर्शन दिया. आज सभी श्रद्धालु पीत वस्त्र धारण करके कथा का श्रवण करने पहुंचे थे. महिलाओं ने बधाई गीत और मंगल गीत गाए और भगवान को माखन मिश्री का भोग लगाया. श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य जुगल किशोर द्विवेदी ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की खुशियों को भी जीवंत वर्णन किया. आचार्य जी ने कहा कि जब धरती पर चारों ओर अत्याचार और अनाचार का साम्राज्य फैल गया तब भगवान श्रीकृष्ण ने देवकी के आठवें संतान के रूप में जन्म लेकर कंस का संहार किया. उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का वर्णन किया. कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

मानसिक रोगियों को मनोचिकित्सक देंगे परामर्श

दुर्ग। आत्महत्या की घटनाओं की रोकथाम के लिए जिले में नई शुरुआत की जा रही है। इस क्रम में मानसिक रोगियों को मनोचिकित्सकों द्वारा परामर्श प्रदान किया जाएगा। मुख्य रूप से आत्महत्या के प्रयास से संबंधित मरीजों की विशेष काउंसिलिंग की जाएगी तथा मानसिक स्वास्थ्य की सुदृढ़ता के लिए उन्हें उपचार की सुविधा भी दी जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया है। बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए जिले में समुदाय के बीच मानसिक अस्वस्थता के कारण, लक्षण तथा इससे बचाव से जुड़ी आवश्यक जानकारियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इन गतिविधियों में 10 वर्ष से अधिक आयु के स्कूली बच्चों, महिलाओं, किशोर व बुजुर्गों के लिए अलग-अलग जागरूकता शिविर लगाए जाते हैं ताकि उनका उपचार किया जा सके। इसी बीच कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने न सिर्फ जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया है।

दुर्ग पहुंची मानवाधिकार आयोग की टीम, जेल से लेकर बाल संप्रेक्षण गृह, जिला अस्पताल व आंगनबाड़ी की देखी व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य मानवाधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक एवं सदस्य नीलम चंद सांखला शुक्रवार को दुर्ग पहुंचे। यहां उन्होंने मानवाधिकार आयोग में दर्ज प्रकरणों के निराकरण के स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद जेल, बाल संप्रेक्षण गृह, जिला अस्पताल, आश्रमशाला, आंगनबाड़ी और कोतवाली थाने का निरीक्षण भी किया।

इस दौरान उन्होंने कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा से मानवाधिकार आयोग में दर्ज प्रकरणों के निराकरण की वस्तुस्थिति भी पूछी।इस मौके पर अध्यक्ष गिरधारी नायक ने कोविड महामारी से मृत लोगों के परिजनों के मुआवजा प्रकरणों की जानकारी ली तथा शीघ्रता से मुआवजा के लिए शेष पात्र परिजनों को भुगतान कराने कहा। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों से जुड़ी जिम्मेदारी भी अहम है। जिन बुजुर्गों के परिजन उनका ध्यान नहीं रख रहे हैं। उन्हें मेंटेनेंस एंड वेलफेयर आफ पेरेंट्स एक्ट के अंतर्गत राहत प्रदान करें। उन्होंने कार्यस्थलों पर भी महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने कहा।मजिस्ट्रीय इन्क्वारी में उन्होंने एनएचआरसी की गाइडलाइन का विशेष रूप से ध्यान रखने कहा। टीम ने कोतवाली थाने का निरीक्षण भी किया और पुराने प्रकरणों के विधिवत निराकरण के लिए कहा। इस दौरान एसपी डा. अभिषेक पल्लव, अपर कलेक्टर अरविंद एक्का भी मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग की टीम से श्याम कुमार साहू उपसचिव (न्यायाधीश), मनीष मिश्र संयुक्त संचालक, कुटेश्वर चंद्रा लेखाधिकारी, निरीक्षक द्वय वीपी चौहान एवं माया शर्मा सहित अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा।जिला चिकित्सालय में पृथक जेल वार्ड बनाने का सुझावअध्यक्ष ने जिला चिकित्सालय के दौरान यहां इलाज के लिए आने वाले बंदियों के लिए पृथक वार्ड बनाने सुझाव दिया। यहां उन्होंने मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बातचीत की। उनसे भोजन और दवाईयों के बारे में बात की। हमर लैब भी देखा। यहां डाक्टरों ने बताया कि यहां 90 तरह के टेस्ट नि:शुल्क होते हैं। इस पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने जेल का निरीक्षण भी किया। यहां सुविधाओं की जानकारी ली। बंदियों से सुविधाओं के बारे में पूछा। यहां पर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी ली।नशामुक्ति के लिए करें कार्यबाल संप्रेक्षण गृह के दौरे में उन्होंने विधि विरुद्ध बच्चों से बातचीत की। बातचीत में यह बात सामने आई कि अधिकांश बच्चों ने गुस्से में या नशे में वारदात की। अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों की मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग करें। इसके साथ ही बच्चों की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए ट्रेनर्स को भी बुलाने कहा ताकि बच्चे शुभ कार्य की दिशा में प्रेरित हो सकें। उन्होंने बच्चों से कहा कि परिस्थिति, संगति और मन का घटना से बहुत संबंध रहता है। मन को शांत रखने इन्हें योग और ध्यान सिखायें। इन्हें पढ़ाई के साथ ही मोबाइल रिपेयरिंग जैसे छोटे-छोटे काम सिखाएं ताकि ये अपने पैरों पर खड़ें हो सकें और अनावश्यक भटकाव से बचें। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि यहां लगातार ऐसी सकारात्मक गतिविधियां की जा रही हैं। दल वृद्धाश्रम, आश्रम शाला और आंगनबाड़ी केंद्र भी पहुंचा। यहां उन्होंने सुविधाओं की जानकारी ली। वृद्धाश्रम में खाने के बारे में जानकारी ली और किचन देखा। वृद्धजनों से सुविधाओं की जानकारी ली। आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण की स्थिति और सुविधा देखी।

महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास ने ली राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक

पीएम स्वनिधि से समृद्धि तक की योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम सभागार में महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास ने राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों व प्रमुख योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी विशेष रूप से मौजूद रहे।

मदर्स मार्केट में अलग-अलग प्रोडक्ट रखे जाएंगे और पूरे भिलाई में विभिन्न स्व सहायता समूह के द्वारा बनाए जाने वाले उत्पाद का संग्रह मदर्स मार्केट में देखने को मिलेगा, महिलाओं को प्रोडक्ट के लिए प्रशिक्षित भी किया जाएगा। वेंडिंग जोन के लिए सर्वे किया जा रहा है तथा कई जगहों पर इसके काम भी चालू हो गए है, वेंडिंग जोन के चयन के लिए जोन आयुक्त के साथ समन्वय बनाकर एनयूएलएम काम कर रही है, वेंडिंग जोन के कार्यों को शीघ्र करने बैठक में कहा गया। वेंडिंग जोन के लिए चयनित जगह पर उस स्थल में जो पहले से अपने दुकान का संचालन कर रहे उन्हें प्रथिमकता देने बैठक में निर्देश दिए गए है। पीएम स्व निधि के तहत अब तक 9362 स्ट्रीट वेंडर्स को लोन मिल चुका है। इनमे से 7853 को पहला लोन 10000 रुपए प्रति स्ट्रीट वेंडर्स, 1482 स्ट्रीट वेंडर्स को द्वितीय लोन और 27 को तीसरा लोन मिल चुका है। इसके अतिरिक्त भी कुछ लोगो के आवेदन स्वीकृत है जिन्हे विभिन्न बैंकों को भेजा गया है। इसे बैंक वालो के माध्यम से शीघ्र लोन दिलाने के निर्देश बैठक में दिए गए। गौतलब है कि कोविड कॉल में स्ट्रीट वेंडर्स की दुकानें लॉक डाउन के दौरान बंद हुई थी, जिसके कारण इन्हें नुकसान उठाना पड़ा था। इसी वजह से इनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम स्व निधि के तहत लोन प्रदाय किया जा रहा है। यही नहीं जिन्हे लोन प्रदाय किया गया है उन्हे पीएम स्व निधि से समृद्धि तक की योजना का लाभ भी दिया जा रहा है, इन्हें पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम श्रम योगी मानधन योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड, जननी सुरक्षा योजना तथा पीएम मातृ वंदना योजना में 23345 को इसका लाभ मिल रहा है। बचे हुए और भी स्ट्रीट वेंडर्स को इसमें शीघ्रता से जोड़ने के निर्देश बैठक में अधिकारियों को दिए गए। बैठक में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के सहायक परियोजना अधिकारी फणींद्र बोस, मिशन मैनेजर अमन पटेल, नलनी तनेजा, एकता शर्मा, शीबा रॉबर्ट एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की सीओ व सीआरपी मौजूद रही।

वात्सल्यधाम के निर्माण के लिए सुराना परिवार ने दान कर दी करोड़ों की जमीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ऋषभ नगर दुर्ग में रतन वात्सल्यधाम का निर्माण प्रस्तावित है। इस धाम के लिए दुर्ग के सुराना परिवार ने करोड़ों की जमीन दान स्वरूप दे दिया है।

आने वाले समय में ऋषभ कॉलोनी दुर्ग में रतन वात्सल्यधाम का नव निर्माण होगा जिसकी संपूर्ण संचालन व्यवस्था गुरु रतन वात्सल्य सेवा समिति दुर्ग करेगी सुराणा परिवार के इस सार्थक पहल का दुर्ग जैन संघ में प्रशंसा हो रही है।शुक्रवार को युवाचार्य भगवंत महेंद्र ऋषि एवं अन्य साधु भगवंत के सानिध्य में कपड़ा मार्केट पुलगांव चौक दुर्ग में रतन गुरु वात्सल्य सेवा समिति एवं वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रमण संघ दुर्ग द्वारा सुराणा परिवार से राजकुमारी देवी सुराणा सुभाष सुराणा, अमर, अंजय, विनील सुराणा आदि ने अभिनंदन किया।

आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए महाअभियान प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रोका छेका अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए महाअभियान चलाया जा रहा है। भिलाई निगम, दुर्ग निगम, रिसाली निगम एवं भिलाई चरोदा निगम की संयुक्त टीम सभी निकायों में तिथि वार आवारा पशुओं को पकड़ने अभियान चला रही है। इस अभियान की शुरुआत गुरुवार से भिलाई में हो चुकी है और 2 दिनों में 101 आवारा पशुओं को पकड़ कर गौठान भेजा गया है। इन चारों निकायों के द्वारा प्रत्येक एक निकाय में 5 दिवस तक फिर दूसरे निकाय में 5 दिवस तक इस प्रकार से चारों निकायों में अभियान चलाया जा रहा है। भिलाई में इसको लेकर कार्रवाई शुरू हो गई है। दुर्ग, रिसाली एवं भिलाई चरोदा में भी इसी प्रकार से अभियान चलाया जाएगा। आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने के लिए निर्देश आयुक्त रोहित व्यास ने दिए हैं। रोका छेका अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकड़ने टीम शहर में विभिन्न संसाधनों के साथ घूम-घूम कर आवारा मवेशी को पकड़ रहे हैं। काऊ केचर वाहन में मवेशियों को डालकर सीधे गौठान में छोड़ा जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950